आज का विचार

दिन की शुरूआत में लगता है कि जिंदगी में पैसा, बहुत जरूरी है, लेकिन दिन ढलने पर, ज्ञात होता है कि जिंदगी में शांति जरूरी है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

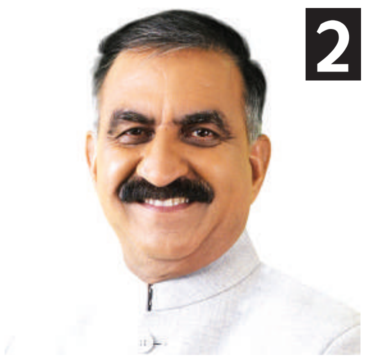

2

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 26 सितंबर, 2025 | वर्ष 23, अंक 236, मूल्य: 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 | Established 2003 | www.citydarpan.com

मान ने शहादत दिवस को श्रद्धा भावना से मनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

भगवंत मान ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय समारोहों के लिए लोगो जारी किया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय यादगारी समारोहों के लिए लोगो जारी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य भर में इस महान दिवस को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम तय किए हैं। उन्होंने कहा कि हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के पावन अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से ऐतिहासिक समारोह आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 अक्तूबर को दिल्ली में विशाल कीर्तन दरबार होगा और 25 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में बड़ा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर से जम्मू, गुरदासपुर, फरीदकोट और तख्त श्री दमदमा साहिब से चार नगर कीर्तन आरंभ किए जाएंगे। ये चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे और इस पवित्र नगरी में 23 से 25 नवंबर तक राज्य सरकार की ओर से विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से ये ऐतिहासिक समारोह मुख्य रूप से श्री आनंदपुर साहिब की पावन धरा पर आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि श्रृंखलाबद्ध आयोजनों से लोगों को नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दिखाए धर्मनिरपेक्षता, मानवता और बलिदान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरु साहिब ने धर्म की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्याय, जुल्म और दमन के खिलाफ गुरु साहिब का यह महान बलिदान मानवता के इतिहास में बेमिसाल है। उन्होंने कहा कि पावन श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज गुरु तेग बहादुर जी की वाणी मानव एकता, विश्वव्यापी भाईचारा, बहादुरी, अध्यात्म और दया का संदेश देती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये श्रृंखलाबद्ध आयोजन महान सिख गुरु को सच्ची श्रद्धांजलि होंगे और लोगों को उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने की प्रेरणा देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पावन अवसर हमें जाति, रंग, नस्ल और धर्म की संकीर्णताओं से ऊपर उठकर समर्पण और मिशनरी भावना से समाज विशेषकर गरीबों और दबे-कुचले वर्ग की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित करने का अवसर देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस महान अवसर को सद्भावना और सामाजिक एकता की भावना से मनाएं ताकि हमारे देश और विशेषकर राज्य की एकता और अखंडता और मजबूत हो सके।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का महान बलिदान हमें हमेशा याद रखना चाहिए और उनकी शिक्षाओं को दुनिया के कोने-कोने तक फैलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन और दर्शन सम्पूर्ण मानवता के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आयोजन एक ओर जहां इस महान विरासत को जीवित रखने में सहायक होंगे, वहीं दूसरी ओर सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारा और शांति के सिद्धांतों को भी मजबूत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन समारोहों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महान गुरु साहिब की यह शानदारी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस नेक कार्य के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस, तरुनप्रीत सिंह सौंद, हरभजन सिंह ईटीओ, लोकसभा सांसद मालविंदर सिंह कंग, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, पर्यटन व सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली और अन्य मौजूद थे।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती हरियाणा में अंत्योदय उत्थान और नारी शक्ति को रही समर्पित: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ करते हुए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना मोबाइल ऐप किया लॉन्च

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को विकास, अंत्योदय उत्थान और नारी शक्ति को समर्पित करते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं और परियोजनाओं की सौगात जनता को दी। इस अवसर पर वीरवार को जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत की और योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए विशेष मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री ने आवेदन के समय आने वाली समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 18001802231 और हेल्पलाइन नंबर 01724880500 भी लॉन्च किया। कार्यक्रम के दौरान ही योजना के तहत पात्र पांच महिलाओं का लाइव पंजीकरण भी करवाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मोबाइल ऐप लॉन्च होने के कुछ समय के भीतर ही लगभग 50 हजार महिलाओं ने अपने मोबाइल पर इस ऐप को डाउनलोड किया है और लगभग 8,000 महिलाओं ने आवेदन किया है।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देते हुए 326.25 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं का भी उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की दिशा में 78.04 करोड़ रुपये की लागत के 31 उद्घाटन और 78.12 करोड़ रुपये की लागत की 97 परियोजनाओं के शिलान्यास शामिल हैं। इसके अलावा 80 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से 10 स्वास्थ्य संस्थाओं का नवीनीकरण भी किया गया है। साथ ही, लोक निर्माण विभाग व शहरी स्थानीय निकाय की एक-एक परियोजना का शिलान्यास भी किया गया है, जिनकी लागत 89 करोड़ 37 लाख रुपये है। सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं को अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन से प्रेरित होकर हरियाणा सरकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले चरण में लगभग 20 लाख महिलाओं को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष से 60 वर्ष की आयु की उन विवाहित व अविवाहित बहनों को मिलेगा, जिनके परिवार की सालाना आय 1 लाख रुपये तक है। 2100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता पात्र महिलाओं के बैंक खातों में मिलनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण बात है कि एक परिवार की कितनी भी महिलाएं पात्र हों, सभी को इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना का 2025-26 का वार्षिक बजट 5 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया है। पहले चरण में प्रदेश की लगभग 20 लाख माताओं बहनों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना ऐप' के माध्यम से आवेदन, सत्यापन और शिकायत निवारण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सरल होगी। आवेदन केवल मोबाइल ऐप के माध्यम से ही किया जाएगा। किसी भी कॉमन सर्विस सेंटर या केंद्र पर जाने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक पात्र महिला मोबाइल से, अपने घर पर ही यह फॉर्म भर सकती है। जो महिलाएं 25 सितम्बर तक इस योजना के लिए पात्र हैं, वे आज से ही आवेदन कर सकती हैं। जो आज के बाद, जिस दिन से पात्र होंगी, वे उसी दिन आवेदन कर सकेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हुई ऐतिहासिक पहलें

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्श का अनुकरण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रहे हैं। नारी वंदन बिल से संसद व विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था हुई है। प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'बीमा सखी', 'ड्रोन दीदी' और 'लखपति दीदी' जैसी योजनाएं शुरू कीं, जिनसे लाखों महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री ने अपने जन्म दिवस पर मध्य प्रदेश से राष्ट्रव्यापी 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' और '8वें पोषण माह' का शुभारंभ किया। यह अभियान पूरे भारत में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवा व पोषण सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 5 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। अब तक 2 लाख 13 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। इसी प्रकार ड्रोन दीदी योजना में 100 महिलाओं को मुफ्त ड्रोन व प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस साल 100 और महिलाओं प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कृषि योगदान बढ़ने से ही विकसित राष्ट्र बनेगा भारत: गडकरी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कृषि क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान बढ़ाना जरूरी है। जब तक कृषि का योगदान 18 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 26 प्रतिशत नहीं होगा, तब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा नहीं हो पाएगा।

गडकरी बुधवार को क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की 62वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कृषि का योगदान जीडीपी में 18 प्रतिशत है, जबकि मैन्युफैक्चरिंग का 24 से 26 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 52 से 56 प्रतिशत योगदान है। कृषि क्षेत्र देश की 55 प्रतिशत जमीन पर आधारित है और करीब 40 प्रतिशत आबादी को रोजगार देता है, जिनमें 33 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि आज भी 65 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन आर्थिक मजबूरियों के चलते 30 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन कर चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तो पलायन रुक जाएगा।

गडकरी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान जहां अन्य वस्तुओं की उपलब्धता में कठिनाई हुई, वहीं खाद्यान्न की कमी महसूस नहीं हुई। देश ने बायो-फ्यूल और वैकल्पिक ईंधन को अपनाया है। पिछले वर्ष 1,400 करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन हुआ, जिसमें 70 प्रतिशत हिस्सा फूड ग्रेन से बना। इसके बावजूद खाद्यान्न संकट नहीं आया।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मक्के से एथनॉल उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। इसके चलते बिहार और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में मक्के की खेती तीन गुना बढ़ी है। वर्तमान में 22 प्रतिशत एथनॉल का उत्पादन मक्के से हो रहा है।

गडकरी ने कहा कि कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन लागत कम करना भी समान रूप से जरूरी है। तभी जीडीपी में कृषि का योगदान बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा।

राष्ट्रपति ने परिवार के साथ किए बांकेबिहारी के दर्शन

एजेंसी (हि.स.)
मथुरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपनी बेटी-दामाद व बच्चों के साथ आज वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन किये। इस दौरान मंदिर के आसपास सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रही। बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर स्थित घरों के दरवाजे पुलिस पर तैनात रही और लोगों के आवागमनको बंद करा दिया गया। राष्ट्रपति मुर्मु एक दिवसीय आध्यात्मिक दौरे पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वृंदावन पहुंचीं। दिल्ली से विशेष महाराजा एक्सप्रेस ट्रेन से राष्ट्रपति मुमुर्कान्हा की नगरी मथुरा स्टेशन पहुंचने पर राष्ट्रपति का शहनाई वादन से स्वागत किया गया। प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, मेयर विनोद अग्रवाल, एडीजी आगरा जोन अनुपमा कुलश्रेष्ठ, कमिश्नर शैलेंद्र सिंह, जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने फूलों का गुलदस्ता देकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी, दामाद और उनके बच्चे भी साथ थे। यहां से राष्ट्रपति और उनके परिजन कार से ठाकुर बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने पहुंचीं इस दौरान बांके बिहारी मंदिर में हाई पावर्ड कमेटी के सदस्य सेवायत दिनेश गोस्वामी ने उनका स्वागत किया। विजय कृष्ण गोस्वामी उन्हें मंदिर में ले गए। मंदिर में सेवायत गौरव गोस्वामी, फ्रैंकी गोस्वामी और शैलेन्द्र गोस्वामी ने पूजा अर्चना कराई। बिहारीजी के दर्शन के लिए कन्नौज से मंगाए इत्र से देहरी पूजन किया। फिर श्रीकुंजबिहारी अष्टक पूजन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए मंदिर को देसी व विदेशी फूलों से सजाया गया था।

जलसंकट वाले क्षेत्रों में मनरेगा की 65 फीसदी राशि जल संरक्षण पर होगी खर्च: शिवराज

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गुरुवार को कृषि भवन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव शैलेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे, वहीं केंद्र और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी तथा जिला कलेक्टर्स सहित ग्रामीण ब्लॉकों के प्रतिनिधि एवं जल संरक्षण से जुड़े गणमान्यजन बड़ी संख्या में वर्चुअल जुड़े थे। शिवराज सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मनरेगा के अंतर्गत जल सुरक्षा को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है, जिसके तहत देश के जल-संकटग्रस्त ग्रामीण ब्लॉकों में जल-संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने के लिए महात्मा गांधी नरेगा अधिनियम, 2005 की अनुसूची में संशोधन किया गया है। इस ऐतिहासिक संशोधन के अंतर्गत ग्रामीण ब्लॉकों में जल संरक्षण एवं संचयन कार्यों पर न्यूनतम व्यय को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। शिवराज सिंह ने कहा कि भूजल स्तर लगातार नीचे गिर रहा है। पानी की किल्लत दुनिया की एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ₹कैच द रेनर₹, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर के निर्माण सहित विभिन्न अभियानों के माध्यम से जल संरक्षण पर जोर दिया है। पानी ही जीवन है। प्रधानमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्देश दिया था कि मनरेगा योजना के अंतर्गत जो राशि मिलती है, उसका निश्चित भाग जल संरक्षण के कार्यों में व्यय किया जाएं।

21वीं सदी में स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बांसवाड़ा से देशभर में विकास परियोजनाओं की श्रृंखला का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कुल 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की शुरूआत करते हुए उन्होंने इसे ऊर्जा शक्ति को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में देशों को विकास के लिए अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा। इसमें स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल रहेंगे। इस दिशा में उनकी सरकार स्वच्छ ऊर्जा अभियान को जन आंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि बिजली आज के युग में विकास की रीढ़ है। इस दौरान बांसवाड़ा में देश की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट की नींव रखी गई और इसकी लागत लगभग 42 हजार करोड़ रुपये है। इसमें चार स्वदेशी 700 मेगावाट रिएक्टर होंगे।

स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। राजस्थान में सौर परियोजनाएँ फलोदी, जैसलमेर, जालौर और सीकर में शुरू हुईं। साथ ही बाड़मेर में ग्रिड सबस्टेशन और कई ट्रांसमिशन लाइनें भी शुरू की गईं, जो 15.5 गीगावाट हरित ऊर्जा को देशभर में पहुंचाएँगी। प्रधानमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप और सौर फीडर उपलब्ध कराने की परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिससे लाखों किसानों को सिंचाई के लिए सस्ती और सतत बिजली मिलेगी।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने बिजली, जल और कानून-व्यवस्था की अनदेखी की। राजस्थान में पेपर लीक, महिला उत्पीड़न और अवैध शराब व्यापार जैसी समस्याएँ चरम पर थीं। उन्होंने कहा कि अब हालात बदले हैं और विकास दक्षिण राजस्थान तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान नहीं दिया। साल 2014 में उनकी सरकार आने से पहले तक भारत के 2.5 करोड़ घरों में बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18 हजार गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं लगे थे। देश के बड़े-बड़े शहरों में घंटों तक बिजली कटौती होती थी और गांवों में 4-5 घंटे बिजली आना बड़ी बात मानी जाती थी। साल 2014 में उनकी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया और हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमारी सरकार ने 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया और जहां-जहां तार पहुंचे, वहां बिजली भी पहुंची। इससे लोगों की जिंदगी आसान हुई और नए-नए उद्योग भी स्थापित हुए।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान की पिछली कांग्रेस सरकार पर परीक्षा पत्र लीक के मुद्दे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का केंद्र बन गया था। जल जीवन मिशन को भी कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया था। महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था और बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। कांग्रेस सरकार में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जैसी जगहों पर अपराध और अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा। राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर कानून व्यवस्था को मजबूत किया गया और विकास परियोजनाओं में तेजी आई। आज भाजपा सरकार राजस्थान को तेज विकास की राह पर आगे बढ़ा रही है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने जल सुरक्षा की दिशा में लगभग 20,830 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें इसारदा बांध, मोर सागर जलाशय, धौलपुर लिफ्ट प्रोजेक्ट, टकली प्रोजेक्ट समेत कई कार्य शामिल हैं। पेयजल के लिए भी बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, अजमेर और अन्य जिलों में 5,880 करोड़ रुपये की योजनाओं की नींव रखी गई। बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने 2,630 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएँ, अटल प्रगति पथ, पुल और फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। रेलवे क्षेत्र में तीन नई ट्रेनों-बीकानेर-दिल्ली वंदे भारत, जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत और उदयपुर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को हरी झंडी दी। साथ ही भरतपुर में 250 बेड के अस्पताल और जयपुर में आईटी एवं ई-गवर्नेंस केंद्र का उद्घाटन किया गया।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ने राजस्थान में 15 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें पशु परिचारक, कनिष्ठ सहायक, जूनियर इंजीनियर, प्रशिक्षक और अध्यापक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान देशभर में नए अवसर पैदा कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अंत्योदय के सिद्धांत को याद किया और कहा कि गरीब, दलित और आदिवासी समाज का उत्थान उनकी सरकार का मिशन है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का उदाहरण देते हुए कहा कि यह उनकी सरकार ही है जिसने आदिवासी समाज को वास्तविक प्राथमिकता दी है। पीएम जनमन योजना, धरती आबा अभियान और वन-धन योजना जैसी पहलों से करोड़ों आदिवासी लाभान्वित हुए हैं। कर सुधारों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी से सामान्य परिवारों को सीधी बचत हो रही है। ‖जीएसटी सेविंग्स फेस्टिवल‖ हर घर के बजट को राहत दे रहा है। आत्मनिर्भर भारत का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि त्योहारों के समय सबको शपथ लेनी चाहिए कि खरीदी-बिक्री में केवल स्वदेशी उत्पादों को अपनाएँ।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत घर के मालिकाना हक के सपने को कर रहा साकार : उपराज्यपाल सिन्हा

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

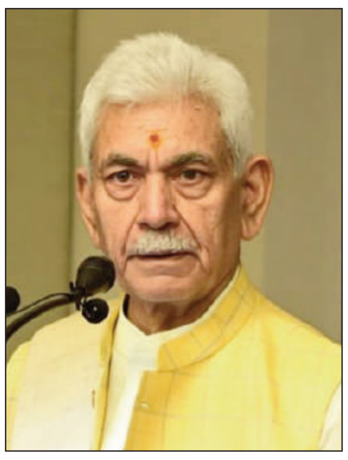

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत घर के मालिकाना हक के सपने को साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट विकास से श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभ होना चाहिए।

उपराज्यपाल सिन्हा ने यहां अखिल भारतीय रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण मंच की गवर्निंग काउंसिल बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के तहत नए घरों को मंजूरी दी जा रही है। इस क्षेत्र में लगभग 10 लाख करोड़ का निवेश आने की उम्मीद है और 2040 तक यह 1.04 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। एलजी सिन्हा ने कहा कि कृषि के बाद रियल एस्टेट दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता बन गया है। इसमें चुनौतियां भी हैं, क्योंकि खरीदारों को कब्जा पाने के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता है। कई डेवलपर्स अपनी परियोजनाओं का विलय कर देते हैं, इसलिए घर चाहने वालों को कभी-कभी छत भी नहीं मिलती थी।

उन्होंने कहा कि पहले भारत में इन मुद्दों से निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। आज पूरा देश घर के मालिक होने के सपने को साकार कर रहा है और लोग प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में धैर्य दिखा रहे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि अब सभी प्रासंगिक जानकारी सार्वजनिक डोमेन में है। रियल एस्टेट विकास से श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभ होना चाहिए, उनके स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले कुछ दशकों में रियल एस्टेट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन सकता है।

उन्होंने कहा कि लक्जरी हाउसिंग सेगमेंट में वृद्धि हुई है।संपत्ति की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिसकी वार्षिक वृद्धि लगभग 14-15 प्रतिशत है और आगे भी वृद्धि संभव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रमिक और उनके परिवार अपनी जरूरतें पूरी कर सकें। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने पारदर्शिता और अन्य सभी आवश्यक उपायों के साथ प्रणालियों को सफलतापूर्वक लागू किया है।

उपराज्यपाल ने लद्दाख की स्थिति का आकलन करने के लिए की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

लेह। उपराज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने गुरुवार को लद्दाख में उभरती स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शांति, सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच कड़ी सतर्कता और घनिष्ठ समन्वय पर जोर दिया गया। उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में उपराज्यपाल ने किसी भी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया और लद्दाख में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्बाध अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व पर बल दिया। गृह मंत्रालय ने कल रात एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की, जिसमें कई लोग हताहत हुए। प्रदर्शनकारियों ने लेह स्थित भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय और मुख्य कार्यकारी पार्षद (सीईसी) के कार्यालय में भी आग लगा दी। गृह मंत्रालय ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भड़काऊ भाषणों के कारण लेह में हिंसा हुई। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लेह शहर में प्रतिबंध लगा दिए। इस बीच कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने आज कारगिल शहर में पूर्ण बंद का आह्वान किया था, जिसके बाद अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की किसी भी स्थिति से बचने के लिए प्रतिबंध लगा दिए।

हिमाचल में नशे के खिलाफ शुरू होगी एंटी-चिट्टा वालंटियर योजना, एक हजार वालिंटियर होंगे तैनात

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

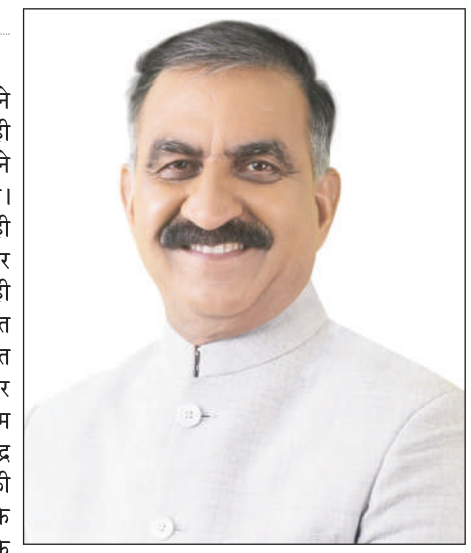

हिमाचल प्रदेश सरकार ने नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को और सशक्त बनाने के लिए बड़ी पहल की है। प्रदेश सरकार जल्द ही ह्यह्यएंटी-चिट्टा वालंटियर योजनाह्लह्ल शुरू करने जा रही है। इस योजना के तहत 1000 स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे, जो समाज और पुलिस के बीच सेतु का काम करेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस योजना की घोषणा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडी जिले के सरकाघाट में की थी, जिसके बाद पुलिस विभाग ने सरकार को विस्तृत प्रस्ताव भेजा है।एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि योजना के तहत नियुक्त वालंटियर समाज और युवाओं को चिट्टा व अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेंगे। वे संदिग्ध गतिविधियों, नशे के हॉटस्पॉट और अपराधियों की जानकारी गोपनीय तरीके से पुलिस तक पहुँचाएंगे। यह स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में चलाए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों, रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और सोशल मीडिया अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नशे की लत से प्रभावित लोगों को परामर्श और पुनर्वास केंद्रों से जोड़ने का काम भी यही वालंटियर करेंगे। सरकार इन पंजीकृत स्वयंसेवियों को सेवाओं के बदले मानदेय भी प्रदान करेगी।

प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों में नशे के खिलाफ विशेष प्राथमिकता के साथ काम किया गया है। इस अवधि में सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं। नई योजना से जमीनी स्तर पर खुफिया तंत्र मजबूत होगा, समाज में जागरूकता बढ़ेगी और प्रभावित लोगों को बेहतर पुनर्वास सेवाएं मिलेंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त हिमाचल का लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें किसी फील्ड आइडेंटिफिकेशन में शामिल नहीं किया जाएगा और पुलिस उनकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखेगी। संवेदनशील मामलों में इन्हें सुरक्षा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। वालंटियर को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें एनडीपीएस एक्ट, पुलिस प्रक्रियाओं और सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी जानकारी प्रदान की जाएगी।

भाजपा चलाएगी आत्मनिर्भर भारत एवं हर घर स्वदेशी अभियान : संजीव कटवाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के भाजपा बूथ संख्या 112 और 113 ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा मनाया। इस दौरान भाजपा के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और उनके विचारों पर चर्चा से हुई, जिसमें सभी कार्यकताओं ने अपने विचार साझा किए। इसके बाद एक घंटे तक स्वच्छता अभियान चलाया गया और अंत में ह्लपेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने इस अवसर पर कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश को एकात्म मानववाद के माध्यम से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके विचारों पर चलते हुए देशभर में कई राष्ट्रीय अभियान चला रहे हैं, जिनमें आत्मनिर्भर भारत और हर घर स्वदेशी अभियान प्रमुख हैं। कटवाल ने कहा कि आज 25 सितंबर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है, जो 25 दिसंबर, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि जो भी वस्तुएं खरीदी जाएँ, वह भारत में बनी हों। इस पहल का उद्देश्य देशवासियों में स्वदेशी उत्पादों के प्रति गर्व और आत्मनिर्भर भारत की भावना पैदा करना है। कटवाल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर गुजरता है और इसके मूल में स्वदेशी का महत्व है।उन्होंने देशवासियों से यह भी कहा कि हर दुकान पर स्पष्ट रूप से दिखाया जाए कि यह उत्पाद स्वदेशी है और गर्व से इसे अपनाया जाए।

हरिपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित, डॉ. बिंदल ने सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पांवटा ब्लॉक के हरिपुर क्षेत्र में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक औषधियां भी निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं।इस अवसर पर 75 आपदा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री भी वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर आपदा पीड़ितों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा प्रभावित परिवारों को बेसहारा छोड़ दिया है।हरिपुर खोल क्षेत्र के 16 परिवार पिछले एक महीने से विस्थापित जीवन जी रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से उन्हें कोई ठोस राहत नहीं मिली है।

डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि प्रभावित परिवारों को न तो भूमि आवंटित की गई और न ही कोई मुआवजा या राहत सामग्री दी गई, जबकि इसी क्षेत्र में कुछ ऐसे परिवारों को 5-5 बीघा जमीन दे दी गई है जिनका आपदा से कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के मकान ढह गए, जमीन धंस गई और आजीविका के साधन समाप्त हो गए, उन्हें सरकार नजरअंदाज कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र सरकार द्वारा आपदा राहत के लिए दी गई 6800 करोड़ की राशि का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि यह पैसा कहां गया? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सीआरएफ, पेयजल और स्वास्थ्य योजनाओं के तहत मिले हजारों करोड़ रुपये जमीन पर नजर नहीं आ रहे हैं।

डॉ. बिंदल ने सरकार पर भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश की जनता सुविधाओं के अभाव में त्रस्त है, जबकि सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री विदेश दौरों में व्यस्त हैं।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री ने गुरुवार कठुआ जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों का किया हवाई सर्वेक्षण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कठुआ जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया और प्राकृतिक आपदा में अपने घर गंवाने वालों से बातचीत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ एक बैठक की और उन्हें प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कठुआ जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने बिलावर के दुग्गैन गांव के निवासियों से बातचीत की जिनके घर हाल ही में आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गए थे। उमर अब्दुल्ला अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए रियासी जिले के माहौर इलाके का भी दौरा करेंगे।

108 और 102 एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन 3 अक्टूबर को मंडी में निकालेगी विरोध रैली

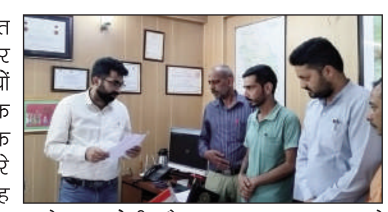

मंडी। सीटू से सबंधित हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एम्बुलेंस कर्मचारियों की यूनियन ने उपायुक्त मंडी और पुलिस अधीक्षक मंडी को हड़ताल बारे नोटिस दिया गया। यह हड़ताल 2 अक्टूबर शाम 8 बजे शुरू होगी और 3 अक्टूबर शाम 8 बजे खत्म होगी। मंडी शहर में 3 अक्टूबर को रैली निकाली जाएगा। प्रदेशव्यापी हड़ताल के आह्वान पर मंडी जिला में भी पूर्ण हड़ताल होगी। एम्बुलेंस कर्मचारियों जिला मुख्यालय मंडी में विरोध रैली निकालेंगे और जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। मंडी जिला में कुल 31 लॉकेशन जहां एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है उनमें 163 कर्मचारी कार्यरत हैं।जिनमें 71 पायलेट 80 इमरजेंसी मेडिसिन तकनीशियन शामिल हैं। प्रदेश में सैंकड़ों कर्मचारी मुख्य नियोक्ता एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत मेडस्वेन फाउंडेशन के अधीन काम कर रहे हैं।जिनमें पायलट, कैप्टन व ईएमटी कर्मचारी भयंकर के शिकार हैं। शोषण का आलम यह है कि इन कर्मचारियों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन तक नहीं मिलता है। इन कर्मचारियों से बारह घंटे डयूटी करवाई जाती है परंतु इन्हें ओवरटाइम वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि यूनियन द्धारा दिए गए डिमांड चार्टर को आज की हड़ताल के बाद भी लागू नहीं किया गया तो यूनियन अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए मजबूर होगी। इस किस अवसर पर 102 108 यूनियन के जिला प्रधान सुमित कुमार, जिला सचिव जितेंद्र कुमार,गेपेंद्र कुमार, सुरेश सरवाल इत्यादि ने हिस्सा लिया।

मोटापा विषय पर जागरूकता शिविर आयोजित

मंडी। राष्ट्रीय पोषण माह-2025 के अंतर्गत आज चोलथरा में मोटापा विषय पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का आयोजन सर्कल चोलथरा की पर्यवेक्षिका शीला देवी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मंडल प्रधान सुमन राठौर ने की। इस अवसर पर उपप्रधान कुलवीरा बन्याल, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियाँ एवं स्थानीय समुदाय के लोग उपस्थित रहे। कुल 44 प्रतिभागियों ने शिविर में भाग लिया। शिविर के दौरान शीला देवी ने मोटापे के कारणों, इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असंतुलित एवं तैलीय आहार, जंक फूड और मीठे पेय मोटापे के मुख्य कारण हैं। महिला मंडल प्रधान सुमन राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि गाँवों में उपलब्ध स्थानीय एवं जैविक उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए तथा संतुलित आहार को अपनाकर जंक फूड से बचना चाहिए। शिविर में आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई।

25 दिसंबर तक चेलाग भाजपा का आत्मनिर्भर भारत जाग्रति अभियान

नाहन। भारतीय जनता पार्टी द्वारा वीरवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में भी श्रद्धांजलि एवं धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जीएसटी सुधारों को लेकर केंद्र सरकार का आभार जताने हेतु विशेष धन्यवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. बिंदल ने बताया कि भाजपा 25 सितंबर (पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती) से लेकर 25 दिसंबर (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती) तक आत्मनिर्भर भारत जागृति अभियान

कार्यालयी कार्यों में हिंदी भाषा के महत्व पर मंडी में त्रैमासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, मंडी द्वारा आज यहां त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयी कार्यों में हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक निदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, मंडी अमित कुमार ने की। उन्होंने हिन्दी के विकास व कार्यालयों में इसके महत्त्व पर अपने विचार साझा किये। सहायक निदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, शिमला दिवान चंद ठाकुर ने कार्यालयी कार्यों में हिंदी भाषा के सहज, प्रभावी और व्यापक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला जनसम्पर्क अधिकारी मंडी हेमंत शर्मा तथा प्रधानाचार्य केंद्रीय विद्यालय मंडी सुरेश कुमार ने भी हिंदी भाषा की व्यवहारिक उपयोगिता और इसकी कार्यालयी दक्षता में भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यालयों में हिंदी भाषा के महत्व पर चर्चा करते हुए हेमंत शर्मा ने कहा कि इससे सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों को आम जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में भी मदद मिलती है। विशेषतौर पर जनसंचार में इसका उपयोग उतरोत्तर बढ़ता जा रहा है। हमें अपनी बोलचाल में भी हिंदी को अधिकाधिक प्रयोग में लाना होगा। उन्होंने हिंदी को सच्चे मन से आत्मसात करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे कार्यालयी हिंदी को बोझिल समझने के हमारे दृष्टिकोण में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

उन्होंने हिंदी व्याकरण की शुद्धता, शब्दावली व शब्दकोषों के उचित उपयोग के साथ ही स्तरीय हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के नियमित पठन-पाठन पर भी बल दिया ताकि हिंदी भाषा का हमारा ज्ञान और व्यापक हो सके। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय शिमला, उपक्षेत्रीय कार्यालय हमीरपुर एवं धर्मशाला के वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए और हिंदी को कार्यकुशलता तथा जनसंपर्क का सशक्त माध्यम बताया।

विकास चर्चा बैठक के दौरान कार्यकताओं मे हुई हाथापाई मामले की होगी जांज : सुरेश कुमार

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हमीरपुर सदर मे कांग्रेस की विकास चर्चा बैठक के दौरान हुई कार्यकताओं के बीच हाथापाई की घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस के आला नेता सख्ते मे है। प्रदेश विकास चर्चा प्रभारी एवं भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने इस घटना पर संज्ञान लेते हुए अनुसाशनहिंता के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। विधायक सुरेश कुमार ने बुधवार को हमीरपुर मे हुई इस घटना के प्रति अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि विकास चर्चा बैठक का उदेश्य ही कार्यकताओं की नाराजगी को जानना और उसका सदभावना से निवारण करना है। लेकिन इस मामले मे कार्यकताओं मे आखिर किस कारण हाथापाई की नौबत आई इसकी जांच की जाएगी, जो भी कार्यकर्ता दोषी होगा उसके खिलाफ अनुसासनहिंता के तहत कार्रवाई अमल मे लाई जायेगी। सुरेश ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि हर व्यक्ति को कोई भी सरकार संतुष्ट नहीं कर सकती है फिर भी सरकारों का प्रयास रहता है, कि हर व्यक्ति की बात को सुन कर उसे संतुष्ट किया जाए।इसी उद्देश्य को लेकर विकास चर्चा प्रभारियों की नियुक्ति की गई है।ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस घटना के तथ्यों का पता लगाया जाए। विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि कॉंग्रेस पार्टी एक लोकतांत्रिक पार्टी है और इसमें सभी को अपनी बात रखने का अधिकार हैं। लेकिन भाजपा जैसी तानाशाही पार्टियों में ये संम्भव नहीं है। वहां पर कोई अपनी बात या राय नही रख सकता है।इसलिए भाजपा को ऐसी बातो को उछालने का कोई अधिकार नहीं है।

नमन — हिमाचल प्रदेश में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी एवं भारतीय जनसंघ के विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।जयराम ठाकुर ने कहा है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक महान विचारक और संगठनकर्ता भी थे, जिनके सिद्धांत आज भी करोड़ों कार्यकताओं को मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने कहा कि ₹एकात्म मानववाद₹ की अवधारणा ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी और ₹अंत्योदय₹ के विचार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। आज उनकी जयंती पर हम सभी को उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पं. उपाध्याय के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र की सेवा करें।

विधायक सुखराम चौधरी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन

नाहन। विधायक सुखराम चौधरी ने अपने बूथ न० 13 पुरूवालाझकांशीपुर में पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके उपरांत उन्होंने ग्राम पंचायत जामनीवाला के शिव मंदिर बाएंकुआ में प० दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में उन्होंने व कार्यकर्ताओ ने उनकी स्मृति में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि पं. उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक, युगद्रष्टा और हम सबके पथ प्रदर्शक रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पं. उपाध्याय भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अध्यक्ष बनने पर पहले महामंत्री नियुक्त हुए थे। सुखराम चौधरी ने कहा कि आज इन्हीं महान नेताओं के विचारों और संघर्ष की बदौलत भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सही आंकड़े सही निर्णय का आधार होते हैं: नायब सिंह सैनी

कोई भी नीति वास्तविक आंकड़ों के आधार पर होती है सफल : सैनी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सही आंकड़े सही निर्णय का आधार होते हैं और तथ्यों के बिना विकास अधूरा है। हर क्षेत्र में सटीक आंकड़ों की भूमिका निर्णायक होती है तथा कोई भी नीति तभी सफल होगी, जब वह वास्तविक आंकड़ों पर आधारित होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज यहां स्थानीय स्तर के शासन का सशक्तिकरण विषय पर आयोजित 29वें केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकी संगठन सम्मेलन के दौरान नीति-निमार्ताओं, सांख्यिकीविदों और विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कही। इस अवसर पर केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर शासन को सशक्त बनाना है। यह न केवल समय की मांग है, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं की पूर्ति का मार्ग भी है। जब शासन को स्थानीय स्तर पर सशक्त किया जाता है, तब योजनाएं केवल फाइलों में नहीं रहतीं, बल्कि जन-

जन तक पहुंचती हैं तो यही लोकतंत्र की ताकत है। इस दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्यमंत्री ने चिल्ड्रन इन इंडिया 2025 और एनवायरनमेंट एकाउंटिंग ऑन फॉरेस्ट 2025 का विमोचन किया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एक दशक में डाटा ड्राइवन गवर्नेंस को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आधार कार्ड से पहचान को सुनिश्चित किया और जनधन खातों से गरीबों तक योजनाएं सीधे पहुंचाने का कार्य किया है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से डेटा संग्रहण और पारदर्शिता को नई ऊंचाई दी। केंद्रीय और राज्य सांख्यिकी संगठनों की भूमिका नीति-निर्माण से लेकर नीति कार्यान्वयन तक हर चरण पर महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीक का युग है। आंकड़ों का तकनीक के साथ समन्वय ही वास्तविक और प्रभावी परिणाम देता है। आंकड़ों व तकनीक के मेल से हमने हरियाणा में अनेक सफल प्रयोग किए हैं। आज देश के अनेक राज्य भी उनका अनुसरण कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण मेरा परिवार मेरी पहचान कार्यक्रम है। इसके माध्यम से सरकार ने हर परिवार का डाटाबेस तैयार किया है। इस डाटा के आधार पर योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधा पात्र परिवारों तक पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, हर क्षेत्र में यह डाटा एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसको पूरा करने में स्थानीय शासन और सटीक आंकड़े सबसे अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर पंचायत के पास डेटा डैशबोर्ड हो, हर जिले में सांख्यिकीय नवाचार प्रयोगशाला स्थापित हो और हर राज्य सटीक डेटा संग्रहण और उपयोग में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के आर्थिक विकास की तस्वीर भी आंकड़ों की सटीकता से स्पष्ट होती है। वर्ष 2014-15 में राज्य की जी.डी.पी. 4 लाख 37 हजार करोड़ रुपये थी। यह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 12 लाख 13 हजार करोड़ रुपये हो गई है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 47 हजार रुपये से बढ़कर 3 लाख 53 हजार रुपये हो गई है। इस अवसर पर सम्मेलन में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग, हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा और हिमाचल प्रदेश के योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री भवानी सिंह पठानिया सहित विभिन्न राज्यों से आए अधिकारी मौजूद रहे।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने फतेहाबाद में जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में नागरिकों को किया जागरूक

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने वीरवार को राज्य में लागू नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जिला फतेहाबाद के विभिन्न प्रतिष्ठानों का दौरा किया। इस दौर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जीएसटी दरों में हाल ही में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि बचत उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को जीएसटी सुधारों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर वर्ग को इस ऐतिहासिक कर सुधार से फायदा हो। उन्होंने कहा कि यह बचत उत्सव सरकार की आम जनता और किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने भट्टू रोड पर बने इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में मौजूद ग्राहकों से बातचीत की और उन्हें सरकार द्वारा किए गए नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स

के बारे में जानकारी दी, जिससे रोजमर्रा की वस्तुएं और टिकाऊ सामान सस्ते हो गए हैं। उन्होंने ग्राहकों को इस बचत का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके बाद, वे शहर के अन्य मॉल में पहुंचे, जहां उन्होंने खुदरा विक्रेताओं से बात की और यह सुनिश्चित करने के लिए बिलों की भी जांच की। उन्होंने मौके पर मौजूद कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी दरों में कमी को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और ग्राहकों को इसका लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने दुकानदारों से ग्राहकों को सही बिल देने और कीमतों में कमी का पूरा लाभ देने का आग्रह किया।

श्री पंवार ने एक अन्य ट्रैक्टर शोरूम का दौरा किया और खरीदारों से बातचीत की और उन्हें बचत उत्सव की बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से किसानों को भी बड़ा लाभ मिला है, क्योंकि अब कृषि उपकरण और ट्रैक्टर जैसे सामान भी सस्ते हो गए हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया : कृषि मंत्री

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश को एकात्म मानववाद का दर्शन दिया था जिसकी बदौलत सरकार उनके दिखाए मार्ग पर चल कर गरीबों का कल्याण करने में लगी हुई है। श्री राणा यमुनानगर में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कृषि मंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय सिद्धांत ऐसा दीपक है, जो सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को सबसे पहले रोशन करता है। अंत्योदय अर्थात समाज का अंतिम व्यक्ति, गरीब किसान, मजदूर बहन, ग्रामीण युवा का उत्थान ही राष्ट्र का उत्थान है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और हरियाणा में अब मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को केंद्र बिंदू मान कर न केवल योजना व कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं बल्कि उन्हें मूर्त रूप दिया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने संकल्प पत्र के 217 संकल्प में से आज 42वां संकल्प लाडो लक्ष्मी योजना का पूरा कर लिया है। इस योजना के तहत, राज्य के पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,100 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह न केवल आर्थिक मदद है, बल्कि आत्म सम्मान की पूंजी है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत महिलाओं के लिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत 8वें पोषण माह कार्यक्रम की शुरूआत की थी, जिसमें महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति सही खानपान की जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्होंने देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए पानीपत से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया था।

समाज के अंतिम पंक्ति तक सुविधा पहुँचाने के संकल्प को निरन्तर साकार कर रही हरियाणा सरकार : राव नरबीर सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ होना अत्यंत सुखद है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि हमारी माताओं-बहनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का प्रयास है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में इसका वायदा किया था और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इसे जमीनी हकीकत में बदलकर यह दिखा दिया है कि हमारी सरकार वादे नहीं, संकल्प पूरे करती है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री वीरवार को गुरुग्राम में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पंजीकरण प्रक्रिया के शुभारंभ अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिला स्तर तथा उपमंडल स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में

पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया था।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में महिलाएं इस योजना से जुड़ेंगी। एक सामान्य महिला, जिसकी उम्र 23 साल से अधिक है और परिवार की आय एक लाख रुपए से कम है, अब 60 साल तक हर महीने 2100 रुपये प्राप्त करेगी। भविष्य में इस स्लैब को और बढ़ाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक बहनों को इसका लाभ मिल सके। यह दिन केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि हरियाणा के हर परिवार के लिए बड़ा दिन है।

उन्होंने अंत्योदय की भावना को दोहराते हुए कहा कि यह योजना पंडित दीन दयाल उपाध्याय की उस सोच को साकार करती है, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सुविधा और सेवा पहुँचाने का संकल्प लिया गया था। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने का काम किया है। यह कदम आने वाले वर्षों में हरियाणा को और मजबूत और सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे संकल्प पत्र में 100 से अधिक वादे किए गए थे। मुख्यमंत्री ने पहले ही बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए प्रावधान कर दिया और आज इसका शुभारंभ करके इसे हकीकत में बदल दिया।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने आज जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य भवनों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने उपमंडल नागरिक अस्पताल, सोहना और फरुखनगर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही नागरिक अस्पताल, सेक्टर-10, गुरुग्राम के भवन के नवीनीकरण कार्य का उद्घाटन किया गया। इसी क्रम में उप स्वास्थ्य केन्द्र, ऊंचा माजरा के भवन का शिलान्यास भी मंत्री द्वारा किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

लाडवा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर गणेश दत्त को बनाया गया मार्किट कमेटी का चेयरमैन

लाड़वा। लाडवा से भाजपा के पुराने कार्यकर्ता व वरिष्ठ नेता डॉक्टर गणेश दत्त को लाडवा मार्केट कमेटी का चेयरमैन बनाया गया। जिसके लिए डॉक्टर गणेश दत्त ने मुख्यमंत्री नायब सैनी जी का व भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया व उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी जी ने मुझे इस काबिल समझा इसके लिए मैं तहे दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूँ। उन्होंने कहा कि मुझे जो ज़िम्मेवारी मिली है मैं उसे पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभाऊँगा।

सीएचसी लाडवा में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2025 का भव्य आयोजन

लाडवा। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाडवा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम ₹थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट₹ है, जो फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम का उद्घाटन उप सिविल सर्जन डॉ प्रदीप, और एसएमओ डॉ. कृष्ण कांत ,वरिष्ठ फामेर्सी अधिकारी राजेश बांगर ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन में हरियाणा सरकार के अभियान (स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान) को भी शामिल किया गया, जो महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य को मजबूत बनाने पर केंद्रित है।कार्यक्रम की शुरूआत एक सामूहिक वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसमें अधिकारियों, फार्मासिस्टों, स्वास्थ्यकर्मियों और स्थानीय निवासियों ने मिलकर सीएचसी परिसर में पौधे लगाए। डॉ प्रदीप ने स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की भूमिका की जम कर तारीफ की और फार्मासिस्ट को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बताया। राजेश बांगर ने कहा, ₹फार्मासिस्ट न केवल दवाओं का विशेषज्ञ हैं, बल्कि वे स्वास्थ्य जागरूकता के दूत भी हैं। पर्यावरण संरक्षण स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है, इसलिए वृक्षारोपण से हम स्वस्थ समाज की नींव मजबूत कर रहे हैं। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण कांत ने जोर देकर कहा कि फार्मासिस्टों की भूमिका महामारी और दैनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में अमूल्य रही है, और वे दवाओं की सही जानकारी देकर जानें बचा रहे हैं। इस अवाक पर डॉ जसविंदर,डॉ नवनीत,जसमेर ल्क्र संजय कंबोज,कमल ठड,सुखबीर, रामबीर आदि मौजूद रहे।

योगाचार्य कमल किशोर ने राज्य स्तर पर जीता स्वर्ण पदक, आयुष मंत्री आरती राव ने किया सम्मानित

लाडवा। विश्व आयुर्वेद दिवस और शहिदी दिवस के अवसर पर रेवाड़ी में आयोजित योग प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर पधारी आयुष मंत्री आरती राव ने योगाचार्य कमल किशोर को राज्य स्तर पर जीते स्वर्ण पदक पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनको राष्ट्रीय स्तर पर विजय होने की मंगल कामना भी दी, की आप हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर लाएं। अभी हाल ही में जींद में आयोजित बॉयज योग प्रतियोगिता में कमल किशोर ने सीनियर बी कैटेगरी में स्वर्ण पदक हासिल किया था। जिसके लिए उन्हें आयुष मंत्री ने बधाई दी। इस अवसर पर कमल किशोर ने हरियाणा की आयुष मंत्री आरती राव का धन्यवाद प्रकट किया।

नवरात्रि के उपलक्ष्य में पवित्र यज्ञ सम्पन्न हुआ

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा का परिसर आध्यात्मिकता और भक्ति से सराबोर हो गया जब आचार्य मोहन लाल ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. देवीलाल की जयंती एवं माँ दुर्गा के पावन नवरात्रों के उपलक्ष्य में पवित्र यज्ञ सम्पन्न कराया। विद्यालय के प्रधान पवन गर्ग ने समारोह की अध्यक्षता की और प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा, शिक्षकों और छात्रों के साथ यज्ञ में आहुति डाली। चौ. देवीलाल की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पवन गर्ग ने कहा कि चौ. देवीलाल एक लोकप्रिय जननेता थे। जो सादगी और मानवता की सेवा में विश्वास रखते थे। वे राजनीति में किंग मेकर के रूप में बहुत लोकप्रिय थे। उन्होंने किसान समुदाय और गरीब पिछड़े लोगों सहित समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए अथक प्रयास किया। पवन गर्ग ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और सभी लोगों की समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना एवं स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार का किया शुभारंभ

संवाददाता
लाडवा

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाडवा में दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना एवं एस.एन.एस.पी. (स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार) अभियान का शुभारंभ डॉ. प्रदीप उप सिविल सर्जन (मलेरिया) के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, स्वास्थ्यकर्मी तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) लाडवा ने बताया कि दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसके अंतर्गत कन्या भ्रुण हत्या पर रोक लगाने, बेटियों को सम्मान दिलाने तथा समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाडवा में आदेश अस्पताल शाहबाद की चिकित्सक टीम (मैडिसन चिकित्सक, बाल रोग विशेषज्ञ, शल्य रोग विशेषज्ञ, आंख, कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ, दंत रोग चिकित्सक व मनोरोग विशेषज्ञ) ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) लाडवा के स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया। जिसमें लगभग 500 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अनाज मंडी लाडवा में भी एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. विशाल एवं उनकी टीम ने किया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और आवश्यक परामर्श लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत आज औषधाकारक दिवस भी मनाया गया तथा इस उपलक्ष्य पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों ने पौधारोपण भी किया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्णकांत ने इस अवसर पर कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य को लेकर अब गांव स्तर पर चिक्तिसा सम्बधी शिविर लगाए जा रहें है जिससे कि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उनके गांव स्तर पर ही उपलब्धस हो रहीं हैं जिससे समाज में जागरूकता का स्तर भी बढ़ता है। इस कार्यक्रम के दौरान डा0 जसविन्द्र कौर, डा0 विशाल, कमलजीत कौर, नर्सिंग ऑफिसर, राजेश औषधाकारक, जसमेर स्वास्थ्य निरीक्षक, मीना कुमारी, भारती वर्मा, अमरीक सिंह, दीपिका स्वास्थ्य कार्यकर्ता, संजय, अजय, सुखबीर सहायक, विपिन सूचना सहायक व सुमित डी0ई0ओ0 उपस्थित रहे।

धान की पराली का सही से प्रबंधन करने वाले किसानों को मिलेगा प्रति एकड़ 1200 रुपए का अनुदान

संवाददाता
लाडवा

खंड कृषि अधिकारी लाडवा डॉ अमित कंबोज ने आज सेवा पखवाड़े के अंतर्गत किसानों को संबोधित करते हुए गांव मेहरा में कहा कि इन सीटू यानि पराली को सुपर सीडर मशीन द्वारा खेत में ही दबाने अथवा एक्स सीटू बेलर मशीन द्वारा पराली की गांठ बनवाने पर1200 रुपए प्रति एक्ड़ का अनुदान दिया जाएगा। यदि कोई किसान फसल अवशेष में आग लगता है तो उस पर 30000 रुपए तक का जुमार्ना और साथ ही एफआईआर दर्ज करवा दी जाएगी और दो सीजन तक फसल पंजीकरण नहीं हो पाएगा और न ही फसल की खरीद एमएसपी पर होगी।

सेवा पखवाड़े में किसानों को संबोधित करते हुए डॉ प्रवीन कुमार पशु चिकित्सक ने पशुओं में विभिन्न प्रकार के टीकाकरण की विस्तार से जानकारी दी तथा पशुओं को थनैला रोग से बचाव के बारे में बताया। बागवानी विभाग से मनीष कुमार ने सब्जियों में भावांतर योजना की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र से मृदा वैज्ञानिक डॉ कविता ने मिट्टी की जांच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार ही किसानों को खेत में उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। इस मौके पर मेहरा गांव के किसान, कृषि विकास अधिकारी गुढ़ा राकेश कुमार सहारण,प्रमोद कुमार बुढ़ा मौजूद रहे।

लाडवा विधानसभा के 7000 परिवार दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र : कंवलजीत कौर

अनिल गोयल
लाडवा

जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विधानसभा लाडवा में 7000 परिवार दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपए पाने के पात्र चिन्हित किए गए हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाओं को मोबाइल एप पर आवेदन करना है। आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ किया। साथ ही आवेदन के लिए एप को भी लांच किया है। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर वीरवार को उपमंडल लाडवा प्रशासन द्वारा अनाज मंडी धर्मशाला में आयोजित दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी। चेयरपर्सन कंवलजीत कौर का उपमंडल अधिकारी पंकज सेतिया ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, उपमंडल अधिकारी पंकज सेतिया,

मार्केट कमेटी चेयरमैन डॉ गणेश दत्त, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के साथ स्वास्थ्य विभाग, यूएचबीवीएन विभाग, क्रीड विभाग और समाज कल्याण विभाग द्वारा अनाज मंडी धर्मशाला में लगाई गई प्रदर्शनी और शिविर का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान मौके पर 8 महिलाओं से दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का आवेदन करवाया गया।

उन्होंने बताया कि योजना के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया आज 25 सितंबर से आरंभ हो चुकी है। इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 0172- 488050 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि पात्र महिलाएं सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण करके आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने पंडित दीनदयाल की जयंती की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी।

इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डॉ गणेश दत्त, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह दबखेड़ा, तहसीलदार नवम धानिया, एसएमओ डॉ कृष्ण कांत, टीडब्ल्यूओ नरेश कुमार, बीडीपीओ रूबल, सचिव संत कुमार सैनी, सचिव नीरज, नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि सुमित खुराना, पूनम सैनी, प्रदीप सहगल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

लाडवा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा बनाने में नागरिकों की सहभागिता जरुरी

लाडवा। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विधानसभा लाडवा स्वच्छता में प्रदेश में नंबर वन बनाने के लिए सभी नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में आस-पड़ौस व मित्रों को साथ लेकर श्रमदान करें। प्रशासन द्वारा चलाए हुए अभियान को सफल बनाएं और अपने लाडवा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान नागरिकों की सहभागिता से ही सफल बनाए जा सकते हैं। इसलिए सभी नागरिक श्रमदान कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर सहभागिता देते हुए नागरिक जिम्मेदारी का निर्वहन करें। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने वीरवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत लाडवा के वार्ड-4 में अधिकारियों, कर्मचारियों व नगर पालिका की सफाई टीम के साथ मिलकर स्वच्छता श्रमदान किया। इस दौरान एसडीएम पंकज सेतिया, मार्केट कमेटी चेयरमैन डा गणेश दत्त भी साथ में मौजूद रहे। टीम ने हाथों में झाड़ू उठाकर क्षेत्र को

पूरी तरह साफ किया। लोगों को खुले में कचरा न डालने और निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालने के लिए समझाया गया, साथ ही डस्टबिन का इस्तेमाल करने के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। मार्केट कमेटी चेयरमैन डा गणेश दत्त ने कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि सफाई अभियान के दौरान कार्यकताओं ने वार्ड-4 में झाड़ू लगाई, कचरा हटाया और नागरिकों को भी स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने लोगों को स्वच्छता संकल्प दिलाया। इस अवसर पर एसडीएम पंकज सेतिया, मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, तहसीलदार नवम धानिया, नगर पालिका सचिव नीरज सैनी, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, पूनम सैनी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लेकर स्वच्छता श्रमदान किया।

संपादकीय

आई लव' के नारों से उठ रही सांप्रदायिकता की चिंगारी !... कहीं भड़क कर ले ना ले लपटों का रूप, पूरे समाज को संभलने की जरूरत

भारत विविधताओं का देश है। यहां धर्म, भाषा, संस्कृति और परंपराओं का ऐसा अनोखा संगम मिलता है जो पूरी दुनिया को प्रेरणा देता है। किंतु यही विविधता अक्सर साम्प्रदायिक तनावों की भेंट चढ़ जाती है। हाल ही में 'आई लव मोहम्मद' और उसके जवाब में लगे 'आई लव महादेव' के पोस्टरों ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। यह केवल पोस्टरों की लड़ाई नहीं है, बल्कि समाज में गहराई तक पैठ चुके ध्रुवीकरण का खतरनाक संकेत भी है। सवाल यह है कि क्या धर्म और आस्था की अभिव्यक्ति का यह तरीका समाज को जोड़ रहा है या फिर उसे और ज्यादा तोड़ रहा है? भारत में धर्म हमेशा से जनजीवन का अहम हिस्सा रहा है। लेकिन बीते कुछ दशकों में धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए होने लगा है। किसी एक धर्म के प्रतीक को सामने रखकर दूसरे धर्म को उकसाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। 'आई लव मोहम्मद' के नारे का जवाब 'आई लव महादेव' के पोस्टर से देना एक स्वस्थ धार्मिक बहस नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी धार्मिक राजनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम नागरिक की आस्था को भड़काऊ नारों और प्रतीकों में बदलकर उसे वोट बैंक की राजनीति से जोड़ दिया जाता है। आम लोगों के लिए आस्था आत्मिक शांति का साधन होती है। लेकिन जब यही आस्था पोस्टरों और नारों में बदलकर सड़कों पर उतर आती है, तो उसका स्वरूप बदल जाता है। इस तरह के पोस्टर केवल धार्मिक प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि परोक्ष रूप से दूसरे समुदाय को चुनौती देने का तरीका भी बन जाते हैं। यही चुनौती कभी-कभी टकराव में बदल जाती है और फिर एक चिंगारी बड़े दंगे का रूप ले लेती है। इतिहास गवाह है कि छोटी-सी अफवाह भी साम्प्रदायिक दंगों की वजह बन चुकी है। धार्मिक पोस्टरों की यह प्रतिस्पर्धा युवाओं की सोच को भी प्रभावित करती है। सोशल मीडिया के दौर में ऐसे नारों और पोस्टरों का प्रसार बिजली की गति से होता है। युवा वर्ग, जो देश का भविष्य है, वह इन संदेशों को धार्मिक श्रेष्ठता या प्रतिरोध के रूप में ग्रहण करता है। नतीजतन उसकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगने के बजाय सांप्रदायिक टकराव की ओर मुड़ जाती है। यह स्थिति न केवल सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को भी बाधित करती है। यह सच है कि इस पूरे विवाद में मीडिया की भूमिका भी बेहद अहम है। खबरों को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी मीडिया की होती है। लेकिन कई बार टीआरपी की दौड़ में मीडिया संस्थान ऐसे विवादों को और ज्यादा उछाल देते हैं। हेडलाइन और डिबेट्स में नारेबाजी को जगह मिलती है, जबकि मूल समस्या और समाधान पर चर्चा गायब हो जाती है। यह प्रवृत्ति समाज को और अधिक ध्रुवीकृत करती है। पत्रकारिता का धर्म यही है कि वह लोगों को सचेत करे, लेकिन आग में घी डालने का काम न करे। भारत का संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी देता है। किसी भी धर्म को मानना, उसका पालन करना और उसका प्रचार करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। लेकिन यह अधिकार तभी तक है जब तक वह किसी अन्य धर्म या व्यक्ति की स्वतंत्रता और शांति में हस्तक्षेप न करे। पोस्टर और नारेबाजी यदि आपसी भाईचारे को तोड़ने लगें, तो यह संविधान की मूल भावना के विपरीत है। इसलिए हमें अपने अधिकारों का प्रयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। धर्म को लेकर संवेदनशीलता स्वाभाविक है, लेकिन इसे हिंसा या प्रतिस्पर्धा का कारण नहीं बनने देना चाहिए। समाज को यह समझना होगा कि मोहम्मद और महादेव दोनों ही करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े प्रतीक हैं। इनका अपमान करना या इनके नाम पर एक-दूसरे को चुनौती देना किसी भी हालत में उचित नहीं है। आस्था के नाम पर प्रतिस्पर्धा समाज को मजबूत नहीं बनाती, बल्कि उसे विभाजित करती है। यदि हम सच्चे अर्थों में धर्म का पालन करना चाहते हैं, तो हमें एक-दूसरे के धर्म और प्रतीकों का सम्मान करना सीखना होगा। दूसरी ओर यदि ऐसी प्रवृत्तियों पर लगाम नहीं लगाई गई, तो यह सांप्रदायिकता की आग पूरे देश को अपनी चपेट में ले सकती है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल, धार्मिक नेता और मीडिया मिलकर समाज में शांति और सौहार्द का संदेश दें। स्कूल और कॉलेजों में युवाओं को धार्मिक सहिष्णुता और संवैधानिक मूल्यों के बारे में जागरूक करना चाहिए। साथ ही कानून-व्यवस्था को भी सख्ती से लागू करना होगा ताकि कोई भी व्यक्ति या संगठन आस्था के नाम पर समाज में जहर घोलने का साहस न कर सके। अंत में कह सकते हैं कि 'आई लव मोहम्मद' और 'आई लव महादेव' जैसे पोस्टर देखने में भले ही सामान्य प्रतीत हों, लेकिन इनकी पृष्ठभूमि और असर बहुत गहरा है। यह केवल धार्मिक प्रेम की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि साम्प्रदायिक प्रतिस्पर्धा का रूप लेता जा रहा है। ऐसे में समाज, राजनीति और मीडिया सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि धार्मिक आस्था का उपयोग विभाजन और हिंसा के बजाय आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता के लिए हो। भारत की ताकत उसकी विविधता और सहिष्णुता में है। यदि हम इसे खो देंगे, तो हमारी पहचान भी कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए हमें समय रहते चेतना होगा–कहीं ऐसा न हो कि यह आग पूरे देश को ही लील जाए।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था।

आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

यमुना नदी को बचाने के लिए भागीरथी प्रयास जरूरी

सालों से अपने देश में चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दल अन्य वायदों के साथ-साथ गरीबी और बेकारी मिटाने का वायदा करते रहे हैं और भविष्य में भी करने वाले हैं। इसमें सफलता या असफलता का पैमाना यह है कि वे मुद्दे आज भी जीवित हैं और भविष्य में भी जीवित रहने वाले हैं। ठीक इसी तरह दिल्ली के हर चुनाव में दिल्ली की जीवन-रेखा मानी जीने वाली यमुना नदी को साफ करने का वायदा किया जाता रहा है। इस बार दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीती भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र में इसके लिए बढ़-चढ़ वायदे किए। उसी चुनाव प्रचार में दस साल से दिल्ली पर राज करने वाली आम आदमी पार्टी (आआपा) के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी से यमुना साफ न कर पाने के लिए माफी मांगी। कहा गया कि उनकी हार का एक कारण यमुना नदी साफ न कर पाना भी रहा।

यमुना केवल एक नदी नहीं है, यह गंगा नदी की तरह करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा है। लाखों एकड़ खेत यमुना के बूते फसल उपजाते हैं और लोगों के पेट भरते हैं। करोड़ों लोग यमुना के पानी को संयंत्रों के माध्यम से साफ करके पीते हैं। यमुना नदी के पानी का रंग सांवला होता है, जिसकी अपनी धार्मिक मान्यता है। भगवान कृष्ण की लीलाओं से लेकर ब्रज क्षेत्र की धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक जीवन में यमुना नदी की प्रधानता रही है। सैकड़ों सालों पहले अनेक शहरों की तरह दिल्ली को पानी की जरूरत पूरी करने के लिए यमुना नदी के किनारे बसाया गया था। कभी यमुना लाल किला से सट कर बहती थी, अब वह पूरब की ओर लाल किला से काफी दूर जा चुकी है। धार्मिक मान्यताओं के चलते यमुना की आरती से लेकर दूसरे धार्मिक आयोजन उसके किनारे होते रहे हैं। दिल्ली में नई सरकार बनते ही यमुना की आरती भव्य तरीके से शुरू करवाई गई, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत मंत्रिमंडल के सहयोगी और भाजपा नेताओं ने यमुना को साफ करने की संकल्प दोहराया।

दिल्ली की सीमा में यमुना करीब 48 किलोमीटर (दिल्ली की सीमा पर बसे हरियाणा के पल्ला गांव से ओखला तक) बहती है जिसमें केवल वजीराबाद से ओखला तक यानी करीब 22 किलोमीटर इलाके में यमुना 70 फीसदी गंदी होती है। इसके कई कारणों में प्रमुख रूप से आधी दिल्ली की गंदगी का सीधे यमुना में जाना, बरसात के अलावा यमुना में पानी का प्रवाह न होना, दिल्ली के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों का औद्योगिक कचरा और गंदगी सीधे यमुना में जाना, दिल्ली में बहुशासन प्रणाली का होना और सरकारी विभागों में भारी भ्रष्टाचार इत्यादि हैं।

दिल्ली से करीब ढाई सौ किलोमीटर दूर ताजेवाला बांध (पुराना नाम हथिनी कुंड बांध) से दिल्ली को पानी मिलता है। ताजेवाला के पास यमुना की कोई सहयोगी नदी नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड के एक आला अधिकारी का कहना था कि अगर किशाऊ, लखवार (ब्यासी) और रेणुका नदी पर बांध बन जाए और वहां से नियमित पानी यमुना में आता रहे तो गंदगी का ठहराव न होगा। इससे यमुना एक हद तक अपने आप साफ होने लगेगी। यमुना के पानी में दिल्ली का हिस्सा साल 1994 में मिला था। उसी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को यमुना के अनवरत बहाव के लिए अनवरत पानी देने के आदेश दिए थे। इसका भी ठीक से पालन नहीं हो पाया।

दिल्ली में बड़ी समस्या यमुना से जुड़ी अलग-अलग सरकारी एजेंसियां हैं, जिनका आपस में कोई तालमेल

मनोज कुमार मिश्र (हि.स)

नहीं है। दिल्ली में यमुना की मालिक केन्द्र सरकार के नियंत्रण वाली दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) है। पानी दिल्ली सरकार के बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधीन है। गंदा पानी साफ करने और सीवर की जिम्मेदारी, मूल रूप से दिल्ली सरकार के अधीन काम करने वाली स्वशासी दिल्ली जल बोर्ड की है और नालों की सफाई और कचरों को यमुना में आने से रोकने का काम दिल्ली नगर निगम का है।

यमुना की सफाई में सबसे बड़ी बाधा सरकारी तंत्र का भ्रष्टाचार है। इसमें नगर निगम के पार्षद से लेकर अमूनन हर स्तर के नेता शामिल हैं। सालों दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रमेश नेगी बताते हैं कि साल 2010 में केन्द्र सरकार के सहयोग से तब की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने यमुना को साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर ठोस योजना बनवाई थी। तब दिल्ली की 47 फीसदी आबादी में सीवर प्रणाली नहीं थी, जो अब बढ़कर करीब 52 फीसदी हो गई है। सालों से 18 बड़े नालों और अनेक छोटे नालों के माध्यम से सीवर आदि की गंदगी सीधे यमुना में गिरती रही है। दिल्ली नगर निगम की लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते हर सालों दिल्ली के गांवों और अनधिकृत कालोनियों का चार से पांच हजार टन कूड़ा-कचरा बाहर में सड़ता है और यमुना में जाता है। इतना ही नहीं उससे मिथाइल गैस बनता है, जो प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है।

यमुना की सफाई के लिए सालों से प्रयास होते रहे हैं। हजारों करोड़ रुपए खर्च भी हो चुके हैं और हर साल हो रहे हैं। सभी सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाने के लिए करीब दस साल पहले यमुना री-डवलपमेंट अथॉरिटी (यमुना पुनर्विकास प्राधिकरण) बनी। उप राज्यपाल उसके अध्यक्ष, दिल्ली के मुख्यमंत्री उपाध्यक्ष और डीडीए उपाध्यक्ष, दिल्ली के मुख्य सचिव, नगर निगम आयुक्त आदि उसके सचिव बने।

अभी भी अधिकारियों का एक वर्ग ऐसा है कि जिसका मानना है कि सालों से इतनी दुर्गति के बावजूद यमुना में पानी दिख रहा है तो वह भी एक चमत्कार से कम नहीं है। यमुना के साथ इतना अन्याय होने के बाद तो उसमें केवल कीचड़ ही दिखना चाहिए था। यमुना नदी की सफाई के लिए मिले करोड़ों रुपयों में से कुछ का सदुपयोग यमुना सफाई के लिए किया गया। संभव है यमुना सफाई के नाम पर इसके पहले चरण में सभी सरकारी एजेंसियों को संसद में कानून बना कर यमुना री-डवलपमेंट अथॉरिटी को दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन जैसे काम करने-कराने का पूरा अधिकार देना होगा। इसके साथ इन बिंदुओं पर अमल जरूरी है-

1. इंटरसेप्टर सीवर प्रोजेक्ट का प्रभावी उपयोग किया जाए।

2. बचे हुए अवजल शोधन संयंत्रों (सीईपीटी) को प्राथमिकता से पूरा कराकर उसका उपयोग किया जाए।

3. सीवर से जुड़ना सभी गांव, कॉलोनियों आदि के लिए अनिवार्य किया जाए।

4. नगर निगम सुनिश्चित करे कि कोई भी कचरा नालों में नहीं डाला जाएगा।

5. अवैध बूचडखाने बंद कराए जाएं, उसके अवशेष नालों में डालने पर कठोर सजा का प्रावधान किया जाए।

6. औद्योगिक इलाकों में सीईपीटी (संयुक्त अवजल शोधन संयंत्र) का प्रभावशाली तरीके से उपयोग किया जाए।

7. अवैध उद्योगों खास कर अनधिकृत कालोनियों के रिहाइशी घरों आदि में बने उद्योगों पर कारगर रोक लगे।

8. दिल्ली जल बोर्ड के मास्टर प्लान 2030 के तहत सभी निर्माण को सीवर नेटवर्क से जोड़ा जाए।

9. मोबाइल मजिस्ट्रेट की बहाली की जाए और उसकी संख्या बढाई जाए।

10. इसके अलावा सबसे बड़ा काम यह होना चाहिए कि जो चीजें दिल्ली के लिए तय हो उसे हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी लागू कराया जाए।

यह संयोग है कि दिल्ली नगर निगम से लेकर दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार में भाजपा का शासन है। उसके सबसे बड़े नेता यानी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल चुनाव प्रचार बल्कि उसके बाद भी दिल्ली को संवारने का संकल्प दोहराते रहे हैं। उसमें केवल यमुना की सफाई, उसके पानी को पीने की कौन कहे नहाने लायक बनाने से केवल न केवल दिल्ली के पर्यावरण का सुधार होगा बल्कि पानी का संकट कम होगा। पर्यटन बढ़ेगा और इस गंदी यमुना से जो देश की राजधानी पर बदनुमा दाग लगा है, वह मिटेगा। जाहिर है कि यमुना साफ करने का लक्ष्य कठिन तो है लेकिन असंभव नहीं।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: करियर में सकारात्मक प्रगति होगी। मित्रों के साथ संबंध मजबूत होंगे। दाम्पत्य जीवन को लेकर उम्मीदें बढ़ेंगी। कामकाज को योजनाबद्ध ढंग से करें, इससे लाभ मिलेगा। पैतृक व्यवसाय से आर्थिक फायदा संभव है।

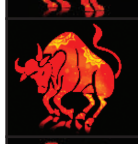
वृषभ: जीवनसाथी का भावनात्मक सहारा मिलेगा। विरोधी आपको नीचा दिखाने की कोशिश कर सकते हैं। अनावश्यक कार्यों में समय न गवाएँ। बाहर का भोजन सेहत बिगाड़ सकता है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से विवाद से बचें और धैर्य बनाए रखें।

मिथुन: आज के दिन दाम्पत्य जीवन में मतभेद बढ़ सकते हैं। आज के दिन विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव रहेगा। बिना सोचे प्रतिक्रिया देने से नुकसान होगा। प्रेम संबंधों में तनाव और सेहत में उतार-चढ़ाव संभव है।

कर्क: आपकी उदारता से लोग प्रसन्न रहेंगे, लेकिन जिम्मेदारियाँ भारी लग सकती हैं। पति-पत्नी के बीच संवाद की कमी न आने दें। गलत संगति से बचें। प्रेम संबंधों में कठिनाई आ सकती है, हालांकि आप मजबूती से हालात का सामना करेंगे।

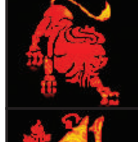
सिंह: आज के दिन कार्यक्षेत्र की परेशानियाँ दूर होंगी। आज के दिन वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा। आज के दिन संयमित आचरण अपनाएँ। अवसरों का लाभ मिलेगा। शाम को माता की सेहत पर ध्यान दें।

कन्या: विवादित मामलों में प्रतिक्रिया देने से बचें। कारोबार से उम्मीद के अनुसार लाभ नहीं होगा। जीवन में कुछ बदलाव संभव हैं। जल्दबाजी से नुकसान होगा। उदासी या नकारात्मक विचार मन को परेशान कर सकते हैं।

तुला: आपको लोगों से सम्मान मिलेगा। रिश्तेदारों के बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जीवनसाथी की सलाह कामकाज में सहायक होगी। नौकरीपेशा लोग आसानी से अपने लक्ष्य हासिल करेंगे। रिश्तेदारों के घर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक: नौकरी की तलाश कर रहे जातकों को अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किसी को उधार देने से बचें, वरना हानि होगी। पारिवारिक जीवन शांत रहेगा। सहकर्मियों से व्यवहार अच्छा रखें। गठिया के मरीजों को तकलीफ हो सकती है।

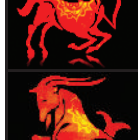
धनु: गृहस्थ जीवन में सुख मिलेगा। छोटे कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार करें। प्रगति के मार्ग में आ रही अड़चनें दूर होंगी। निजी नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। व्यापार में अप्रत्याशित हालात सामने आ सकते हैं।

मकर: आज कार्यक्षेत्र में नया अनुभव मिलेगा। आज के दिन घर का माहौल कुछ असामान्य रहेगा। लोग आपकी सराहना करेंगे। शेयर बाजार से अच्छा लाभ संभव है। घरेलू समस्याओं के कारण तनाव रह सकता है।

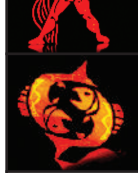
कुंभ: आज के दिन विद्यार्थियों को अधिकारियों से परेशानी हो सकती है। आज के दिन अधूरे कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज के दिन आलस्य कार्यक्षमता घटा सकता है। प्रेमीजन उपहार की अपेक्षा कर सकता है।

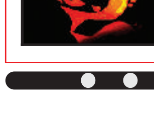
मीन: अपनी गलतियाँ दूसरों पर न डालें। लोग आपसे ज्यादा अपेक्षाएँ रखेंगे, जिससे दबाव रहेगा। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन कठिन रहेगा। रिश्तों को लेकर संवेदनशील रहेंगे। थकान और पैर दर्द की समस्या हो सकती है।

लद्दाख हिंसा का जिम्मेदार कौन

लद्दाख, जो अब तक शांति और सौहार्द की भूमि के रूप में जाना जाता था, इस समय वह हिंसा और अशांति की लपटों में झुलस रहा है। यहां भड़की हिंसा ने पूरे देश को चौंका दिया। चार लोगों की मौत, अस्सी से अधिक घायल, तीस से ज्यादा सुरक्षाकर्मी लहूलुहान और पूरा लेह कर्फ्यू की गिरफ्त में; यह तस्वीर उस आंदोलन की है जो राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा पाने के लिए शुरू हुआ था, किंतु देखते ही देखते अराजकता में बदल गया। सवाल उठता है कि आखिर इस त्रासदी का जिम्मेदार कौन है?

केंद्र सरकार ने सीधे तौर पर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को कटघरे में खड़ा किया है। गृह मंत्रालय का बयान है कि वांगचुक ने भड़काऊ भाषण दिए, अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जी आंदोलन का हवाला देकर युवाओं को गुमराह किया और भीड़ को हिंसा की ओर मोड़ दिया। वांगचुक ने जिस मांग को लेकर 10 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी, उस पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति पहले से ही चर्चा कर रही थी। आरक्षण बढ़ाने से लेकर नौकरियों की भर्ती और भाषाओं को मान्यता देने तक कई फैसले इसी बातचीत के जरिए लिए गए और जो शेष थे वे लिए जा रहे थे, फिर भी आंदोलनकारी धैर्य रखने को तैयार नहीं रख सके।

सोनम वांगचुक ने इन्हीं मांगों को लेकर अनशन शुरू किया था। पंद्रह दिनों तक भूख हड़ताल पर रहकर उन्होंने पूरे देश का ध्यान लद्दाख की ओर खींचा। पर यह क्या, हिंसा भड़कने के ठीक उसी दिन उन्होंने उपवास तोड़ दिया और भीड़ को काबू करने की बजाय एम्बुलेंस से गांव लौट गए। साफ दिखा कि कैसे वांगचुक ने स्थिति संभालने की कोई कोशिश नहीं की। इसके उलट उन्होंने युवाओं के गुस्से को और हवा दी। परिणाम बहुत दुखद हैं, आज लेह में हिंसा के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है। वास्तव में यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था का संकट नहीं, बल्कि लद्दाख की राजनीति और भारत के संघीय ढांचे के लिए गहरी चुनौती है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

आरोप कांग्रेस पर भी हिंसा भड़का कर लाभ लेने के लग रहे हैं। लेह के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने भी कहा कि इस आंदोलन में साजिश की गंध आती है और बाहरी लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। देखा जाए तो ये घटना हमें एक बार फिर याद दिलाती है कि अराजकता और हिंसा से किसी का भला नहीं होता।

आंदोलन की मांगें चाहे कितनी भी जायज हों, लेकिन अगर वे हिंसा के रास्ते से पूरी करने की कोशिश की जाए तो केवल खून-खराबा ही हाथ लगता है। जिस कांग्रेस और सोनम वांगचुक पर इस हिंसा को शह देने के आरोप लग रहे हैं, उन्हें क्या यह समझ नहीं आता कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगा लेने से काम नहीं चलता, उन्होंने जो कहा है, जरूरत उस को व्यवहार में लाने की है।

कहना होगा कि ये गांधीजी के कहे पर अमल करते तो आज लद्दाख में ये अराजक हिंसात्मक स्थिति पैदा नहीं होती। महात्मा गांधी का कथन है, ह्लसाधन और साध्य दोनों शुद्ध होने चाहिए।ह्व अगर लद्दाख के लोगों की मांग सही है तो उसे शांतिपूर्ण और संवैधानिक रास्ते से ही हासिल किया जाना चाहिए। हिंसा से केवल पर्यटन और रोजगार को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। समाज को विभाजित करके देश के भीतर बैठे दुश्मनों को और सीमाओं पर बैठे दुश्मनों को अवसर देने का ही काम किया जा रहा है।

केंद्र सरकार का यहां कहीं पक्ष अनुचित नजर नहीं आ रहा है, वह लद्दाख की जनता को संवैधानिक सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध दिखती है। उसने नए जिलों के गठन से लेकर आरक्षण, भाषा और नौकरियों पर कई कदम उठाए हैं। यह भी सच है कि राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल होने की मांग पर ठोस निर्णय लिए जाने के लिए बातचीत चल रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अगली बैठक 6 अक्टूबर को दिल्ली में होनी है। पर सवाल है कि क्या 24 सितंबर की हिंसा के बाद अब संवाद का माहौल बचा रहेगा? निश्चित ही इस हिंसा ने राज्य और केंद्र के बीच के संवाद को एक गहरी चोट दी है। चार परिवारों ने अपने अपनों को खो दिया है। यह नुकसान किसी राजनीतिक लाभ या नारे से पूरा नहीं हो सकता। सरकार कहे कि यह भीड़ की गलती थी, आंदोलनकारी कहें कि यह सरकार की लापरवाही थी, लेकिन सच्चाई यह है कि दोनों पक्षों ने जिम्मेदारी निभाने में कमी की। आंदोलनकारी नेताओं ने लोगों की भावनाओं को संभालने के बजाय उन्हें भड़काने का काम किया है।

आज जरूरत इस बात की है कि लद्दाख को फिर से विश्वास और शांति की राह पर लौटाया जाए। हिंसा की लद्दाख की आग ने पूरे देश को झकझोर दिया है। बांगचुक जैसे नेता चाहे यह सोचकर खुश हों कि उन्होंने सत्ता को हिला दिया, लेकिन सत्ता को हिलाने का गर्व उन चार निर्दोष जानों की कीमत पर कभी उचित नहीं ठहराया जा सकता। हिंसा ने आंदोलन की नैतिकता को कमजोर किया है। आंदोलन का उद्देश्य था अधिकार पाना, लेकिन परिणाम हुआ अराजकता और मौतें। यह स्थिति किसी भी जिम्मेदार नागरिक को स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसलिए आज सबसे बड़ी आवश्यकता है कि जिम्मेदारी तय हो, दोषियों को सजा मिले।

हम यह तय करें कि देश को कमजोर करने वाले और समाज को हिंसा की ओर धकेलने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को समर्थन नहीं दिया जाएगा। अराजकता से केवल दुश्मनों का भला होता है, जनता का नहीं। भारत की ताकत उसकी विविधता, लोकतंत्र और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में है। अगर हम इन मूल्यों को छोड़ देंगे तो न लद्दाख सुरक्षित रहेगा, न देश। अब जबकि हालात बिगड़ चुके हैं, केंद्र और लद्दाख के नेतृत्व दोनों को आत्ममंथन करना चाहिए। सरकार को चाहिए कि संवाद में तेजी लाए, भरोसा बहाल करे और जो भी संवैधानिक रास्ते हैं उनका इस्तेमाल कर जनता की चिंताओं को दूर करे।

दूसरी ओर आंदोलनकारी नेतृत्व को समझना होगा कि हिंसा से न तो राज्य का दर्जा मिलेगा, न छठी अनुसूची का लाभ। वह केवल खून और राख छोड़ जाएगी। असहमति लोकतंत्र में स्वाभाविक है लेकिन अगर असहमति हिंसा में बदल जाए तो लोकतंत्र कमजोर हो जाता है, यह बात आज सभी को समझने की जरूरत है। यह केवल लद्दाख का संकट नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए चेतावनी है। आज हमें यह संकल्प लेना होगा कि चाहे कोई भी असहमति हो, चाहे मांग कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसे शांति और संवैधानिक रास्ते से ही पूरा किया जाएगा। यही लोकतंत्र की असली ताकत है।

डेयरी व्यवसाय को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा कदम: पंजाब उच्च उत्पादन वाली एच.एफ. और मुर्रा नस्लों का सीमेन प्राप्त करने के बदले केरल को साहिवाल सांड उपलब्ध कराएगा

सरकार की पहल पशुपालन क्षेत्र में उत्तर और दक्षिण भारत की क्षमताओं के आदान-प्रदान के लिए एक पुल का काम करेगी: गुरमीत सिंह खुड्डियां

संवाददाता
चंडीगढ़

उत्पादन बढ़ाने के लिए अच्छी नस्ल के पशु तैयार करने और किसानों को खुशहाल बनाने के उद्देश्य से पंजाब और केरल राज्यों ने पशुपालन क्षेत्र में एक-दूसरे की विशेष क्षमताओं का लाभ उठाकर पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इस रणनीतिक सहयोग में उच्च-गुणवत्ता वाली जेनेटिक सामग्री का आदान-प्रदान शामिल है, जिसके तहत केरल पंजाब से साहिवाल नस्ल के सांड खरीदेगा। इसके बदले पंजाब को केरल से होल्सटीन फ्राइजियन (एच.एफ.) और मुर्रा नस्ल के सांडों का सीमेन मिलेगा। पंजाब ने केरल पशुधन विकास बोर्ड से एच.एफ. सीमेन की 30,000 खुराकों और मुर्रा भैंस सीमेन की 60,520 खुराकों की शुरूआती खेप का ऑर्डर दिया है।

पशुपालन क्षेत्र के विकास के लिए ये निर्णय पंजाब सिविल सचिवालय में पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और केरल की पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री श्रीमती जे. चिंचू रानी के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान लिए गए।

श्री खुड्डियां ने बताया कि पंजाब और केरल अच्छी नस्ल का पशुधन तैयार करने के लिए उन्नत प्रजनन तकनीकों पर सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। इस साझेदारी में तेजी से नस्ल सुधार के लिए एम्ब्रियो ट्रांसफर (ई.टी.) और इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आई.वी.एफ.) जैसे अत्याधुनिक वैज्ञानिक कार्यक्रमों पर संयुक्त प्रयास करना शामिल हैं। इसके अलावा, दोनों राज्य बेहतर पशुधन जीन विकसित करने के लिए प्रयोगशाला स्तर पर जीनोमिक चयन और प्रजनन मूल्यांकन पर भी मिलकर काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य दोनों राज्यों में पशुओं की गुणवत्ता और उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान और तकनीक का लाभ उठाना है।

पंजाब के पशुपालन मंत्री ने कहा कि ज्ञान और क्षमता निर्माण में वृद्धि के लिए पंजाब और केरल के बीच यह साझेदारी पशु चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों के लिए आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता देगी। यह पहल क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करेगी तथा पंजाब पशुधन विकास बोर्ड (पीएलडीबी) और केरल पशुधन विकास बोर्ड (केएलडीबी) के बीच कौशल विकास एवं विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगी।

इस समझौते के पीछे के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि यह सिर्फ एक साझेदारी नहीं बल्कि पशुपालन क्षेत्र में उत्तर और दक्षिण भारत की क्षमताओं के आदान-प्रदान के लिए एक पुल है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य स्थानीय नस्लों में पंजाब की उत्कृष्टता, उच्च उत्पादन वाली क्रॉस-ब्रीड्स में केरल की विशेषज्ञता और उन्नत प्रबंधन पद्धतियों को जोड़कर ऐसा वातावरण बनाना है, जिससे हमारे किसानों को जमीनी स्तर पर लाभ मिले।

श्रीमती जे. चिंचू रानी ने कहा कि केरल अपनी विशेषज्ञता साझा करते हुए पंजाब के अनुभव से सीखने के लिए उत्सुक है और यह सहयोग दोनों राज्यों के लिए अधिक विकसित और लाभदायक डेयरी क्षेत्र का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे हमारे किसान समुदाय की आय भी बढ़ेगी।

तकनीकी हस्तांतरण के महत्व पर जोर देते हुए पंजाब के पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने कहा कि वैज्ञानिकों की विशेषज्ञता और नई तकनीकों का आदान-प्रदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी इन नए अभ्यासों को तेजी से साझा करते हुए हमारे किसानों के लिए जमीनी स्तर पर लाभ सुनिश्चित करेगी। यह पहल सहायक कृषि व्यवसायों के लिए अंतर-राज्यीय सहयोग का एक नया मानक स्थापित करेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह साझेदारी पशुओं के जेनेटिक गुणों में सुधार, दूध उत्पादन में वृद्धि और पंजाब व केरल के किसानों को सशक्त बनाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

14 जिलों के 72 जल स्रोतों की वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत अधिसूचना के लिये सिफारिश

चंडीगढ़। वन मंत्री, पंजाब श्री लाल चंद कटारूचक्क की अध्यक्षता में राज्य में वेटलैंड्स के संरक्षण संबंधी पहलों की समीक्षा के लिए पंजाब राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की तीसरी बैठक हुई। डब्लयूपी (सी) नंबर 304/2018 - आनंद आर्या बनाम भारत सरकार के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वेटलैंड प्राधिकरण को प्रत्येक वेटलैंड की वेटलैंड सीमाओं की जमीनी हकीकत के साथ-साथ हदबंदी को पूरा करके पहचान करने के निर्देश दिए थे। पंजाब की जिला वेटलैंड समितियों द्वारा पहचाने गए 1143 जल स्रोतों की जमीनी हकीकत, डिजिटल मैपिंग और मूल्यांकन के बाद, 14 जिलों के 72 जल स्रोतों को वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत अधिसूचना हेतु सिफारिश की गई है। इनमें अमृतसर (2), बठिंडा (8), फरीदकोट (2), फतेहगढ़ साहिब (12), फाजिल्का (8), फिरोजपुर (3), जालंधर (2), कपूरथला (4), मानसा (10), मोगा (6), पटियाला (3), संगरूर (5), श्री मुक्तसर साहिब (7) शामिल हैं।

इन्फोसिस लिमिटेड मोहाली में करेगी 300 करोड़ रुपये का निवेश : कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा

संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य को ओर प्रोत्साहन देने और राज्य में उच्च आर्थिक विकास का राह प्रशस्त करने के लिए इन्फोसिस लिमिटेड मोहाली में अपने कारोबार का विस्तार करते हुए लगभग 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश से करीब 2,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 210 लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इन्फोसिस लिमिटेड वर्ष 2017 से मोहाली में कार्यरत है और इस समय लगभग 900 कर्मचारी यहां काम कर रहे हैं। अपने कारोबार को बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को अधिक अवसर देने के लिए कंपनी चरणबद्ध तरीके से अपने कार्यों का विस्तार कर रही है, जिससे सतत विकास और बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने आगे कहा कि पहले चरण के तहत इन्फोसिस लिमिटेड कुल 3,00,000 वर्ग फुट निर्माण क्षेत्र में कार्यालय और अन्य भवनों का विस्तार करेगी। सभी आवश्यक अनुमतियाँ मिलने के बाद इसके पूरे होने की अनुमानित समय सीमा तीन वर्ष है। यह इमारत पर्यावरण अनुकूल होगी और लीड प्लेटिनम प्रमाणपत्र प्राप्त करेगी, जो कि हरित इमारत को दिया जाने वाला सबसे उच्च स्तर है। निर्माण कार्य 5 नवम्बर को गुरुपुरब के शुभ दिन आरंभ किया जाएगा।

इसी प्रकार, दूसरे चरण में कंपनी लगभग 4,80,000 वर्ग फुट निर्माण क्षेत्र में कार्यालय और सहायक भवनों का विस्तार करेगी। इसके पूरे होने की अनुमानित समय सीमा पाँच वर्ष है। यह चरण पहले चरण की सफलतापूर्वक पूर्णता और सभी आवश्यक नियामक एवं कानूनी स्वीकृतियाँ मिलने के बाद ही शुरू होगा। इन्फोसिस लिमिटेड ने इस ऐतिहासिक परियोजना को मोहाली में लागू करने के लिए पंजाब सरकार, इन्वेस्ट पंजाब और जीएमएडीए द्वारा प्रदान किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि कंपनी प्रस्तावित विकास को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन्वेस्ट पंजाब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमित ढाका (आई.ए.एस.), पंजाब विकास परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा बांसल, रीजनल हेड (इन्फ्रास्ट्रक्चर) इन्फोसिस श्री अमोल रमेश कुलकर्णी, और हेड, ब्रांच डेवलपमेंट सेंटर, इन्फोसिस डॉ. समीर गोयल उपस्थित थे।

उम्मीद के बीज: पंजाब सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों को मुफ्त देगी 2 लाख क्विंटल गेहूँ के बीज

संवाददाता
चंडीगढ़

हाल ही में आए भीषण बाढ़ों से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए पंजाब सरकार आगामी रबी सीजन के लिए दो लाख क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूँ के बीज मुफ्त में वितरित करेगी।

यह घोषणा पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड़ियां ने आज पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृषि विभाग के प्रबंधकीय सचिव डॉ. बसंत गर्ग भी मौजूद थे।

स. खुड़ियां ने कहा कि यह सहायता, जिस पर लगभग 74 करोड़ रुपये खर्च होंगे, का उद्देश्य खरीफ सीजन-2025 के दौरान भारी बारिश और बाढ़ के कारण नुकसान हुए 5 लाख एकड़ कृषि भूमि की बुवाई संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने पंजाब के कई जिलों में भारी नुकसान पहुँचाया है, जिससे धान, नरमा और मक्की की खरीफ फसलें बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

स. खुड़ियां ने बताया कि बाढ़ प्रभावित किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले गेहूँ के बीज मुफ्त में वितरित करने के लिए पनसीड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। मुफ्त बीजों के लिए आवेदन प्रक्रिया और विवरण जल्द ही प्रमुख मीडिया में प्रकाशित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) द्वारा सुझाए गए गेहूँ के बीज, जिनमें पी बी डब्ल्यू 826, पी बी डब्ल्यू869, पी बी डब्ल्यू 824, पी बी डब्ल्यू 803, पी बी डब्ल्यू 766, पी बी डब्ल्यू 725, पी बी डब्ल्यू 677, पी बी डब्ल्यू 771, पी बी डब्ल्यू 757, पी बी डब्ल्यू 752, पी बी डब्ल्यू जिंक 2, पी बी डब्ल्यू 1 चपाती, पी बी डब्ल्यू 1 जेड एन, डीबी डब्ल्यू 222, डी बी डब्ल्यू187, एच डी 3226, एच डी 3086, उन्नत पी बी डब्ल्यू 343, उन्नत पी बी डब्ल्यू 550 शामिल हैं, किसानों को वितरित किए जाएंगे।

बाढ़ प्रभावित किसानों को मुफ्त बीज वितरण के अलावा, मुख्यमंत्री मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार पूरे राज्य के किसानों के लिए 50% सब्सिडी पर 60,871 क्विंटल गेहूँ के बीज भी उपलब्ध कराएगी, जिसकी कीमत प्रति क्विंटल 2,000 रुपये तय की गई है। इसका उद्देश्य किसानों को गुणवत्ता वाले बीज सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराना और अधिकतम सहायता प्रदान करना है।

स. खुड़ियां ने मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि किसानों को प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा और इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा होना हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि खरीफ की फसलों के नुकसान से किसान अगले सीजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए संकट में महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लगेहूँ के मुफ्त बीज प्रदान करके हम किसानों को केवल एक स्रोत ही नहीं दे रहे; बल्कि उन्हें नई शुरूआत के लिए आशा और समर्थन दे रहे हैं। यह सहायता राज्य सरकार की यह प्रतिबद्धता उजागर करती है कि कोई भी किसान बाढ़ के कारण वित्तीय तंगी के कारण अगली फसल की बुवाई से वंचित न रहे।

केरल के मंत्री ने पंजाब के प्रगतिशील बागवानी मॉडल की सराहना की

चंडीगढ़। केरल सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कल शाम पंजाब भवन, चंडीगढ़ में पंजाब के बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केरल के कृषि मंत्री पी. प्रसाद ने किया। उनके साथ मिशन डायरेक्टर बागवानी साजी जॉन और चेयरमैन, स्टेट एग्रीकल्चरल प्राइस बोर्ड डॉ. पी. राजशेखरन भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के प्रगतिशील बागवानी मॉडल की भरपूर प्रशंसा की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य में फसली विविधता लाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को व्यापक तकनीकी जानकारी और सब्सिडी प्रदान कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब में लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी की जा रही है, जिससे किसानों की आय लगातार बढ़ रही है। भविष्य की योजनाएं साझा करते हुए मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि पंजाब सरकार फलों और सब्जियों की प्रोसेसिंग इकाइयों को और मजबूत कर रही है ताकि किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि नए कोल्ड स्टोरेज, वैल्यू एडिशन सेंटर और एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं। केरल के कृषि मंत्री श्री पी. प्रसाद ने कहा कि किसानों के लिए पंजाब द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रगतिशील कदम सराहनीय हैं। उन्होंने पंजाब के बागवानी मॉडल को अन्य राज्यों के लिए एक रोडमैप बताया। अपने राज्य का विवरण साझा करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि केरल में बागवानी लगभग 22 लाख हेक्टेयर में की जाती है, जिसमें केला, नारियल, मसाले और सब्जियां प्रमुख फसलें हैं। उन्होंने मंत्री मोहिंदर भगत को केरल में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कृषि मेले वैगा में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। सद्भावना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रतीक के रूप में मंत्री मोहिंदर भगत ने केरल के कृषि मंत्री को पंजाब की फुलकारी भेंट की, जबकि मंत्री पी. प्रसाद ने मंत्री भगत को केरल की पारंपरिक सर्प नौका और धोती स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। दोनों पक्षों ने बागवानी में अंतर-राज्यीय सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ओ.टी.एस. नीति का उद्देश्य बीमार चावल मिलों को पुन: सक्रिय कर अधिक रोजगार अवसर पैदा करना : लाल चंद कटारूचक्क

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार खरीद प्रक्रिया से जुड़े हर हितधारक की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य के चावल मिल मालिक भी इस प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए पंजाब कैबिनेट ने चावल मिलों के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओ.टी.एस.) 2025 को हाल ही में मंजूरी दी है।

यहां जानकारी देते हुए पंजाब के खाद्य, सिविल आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने बताया कि वर्ष 2024-25 तक 1688 मिलर्स पर लगभग 12,000 करोड़ रुपए बकाया है, जिसमें से 10,000 करोड़ रुपए ब्याज और 2181 करोड़ रुपए मूल धनराशि है। इस नई ओटीएस नीति के तहत मिलर्स को मूल राशि का आधा हिस्सा चुकाना होगा। मंत्री ने कहा कि नोटिफिकेशन जारी होने के एक महीने के भीतर डिफॉल्टर मिलर्स अनाज खरीद पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं या तुरंत भी बकाया राशि जमा करवा सकते हैं। मिलर्स के पास वसूली योग्य राशि का भुगतान एकमुश्त एक महीने में करने या तीन मासिक किश्तों में निपटाने का विकल्प होगा।

आगे जानकारी देते हुए श्री कटारूचक्क ने बताया कि हर मिल मालिक को मिलिंग का समय पूरा होने पर राज्य की हर खरीद एजेंसी के साथ अपना खाता क्लियर करना होता है, ताकि अगले वर्ष कस्टम मिलिंग के लिए धान आवंटन पर विचार किया जा सके। कई मिल मालिकों ने अपने बकाये जमा नहीं करवाए, जिस कारण इन्हें डिफॉल्टर घोषित किया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। यह कार्रवाई कई वर्षों से विभिन्न अदालतों/कानूनी मंचों में लंबित है।

नई ओ.टी.एस. स्कीम सभी एजेंसियों के मामलों को न्यूनतम करने और इस नीति के तहत उनका निपटारा करने के लिए लाई गई है, ताकि ऐसी ह्वबीमारह्ल चावल मिलों को पुनः सक्रिय कर राज्य में अधिक रोजगार अवसर पैदा किए जा सकें। इसके साथ ही खरीफ खरीद सीजन के दौरान मंडियों से धान की उठान तेज और सुचारू ढंग से होगी, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर खाद्य, सिविल आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख सचिव राहुल तिवाड़ी और निदेशक वरिंदर कुमार शर्मा भी मौजूद थे।

त्योहारी शॉपिंग का संगम: नेशनल सिल्क एक्सपो चंडीगढ़ के हिमाचल भवन में शुरू

चंडीगढ़। करवा चौथ और नवरात्रि की तैयारियों के बीच ट्राईसिटी के लोगों के लिए इस बार खुशियां दोगुनी होने वाली हैं। चंडीगढ़ के हिमाचल भवन, सेक्टर-28बी में नेशनल सिल्क एक्सपो का शुभारंभ हो चुका है। यह छह दिवसीय प्रदर्शनी 24 से 29 सितम्बर तक चलेगी और यहां भारत की विविधता, परंपरा और फैशन का अद्भुत संगम एक ही छत के नीचे देखने को मिलेगा। इस एक्सपो की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां राजस्थान का बंधेज, कोलकाता की तांत, बनारस का सिल्क, कांजीवरम की पारंपरिक बुनाई और अन्य भारतीय कला शैलियां एक साथ मौजूद हैं। प्रदर्शनी में सिल्क और कॉटन साड़ियां, कुर्तियां, फैशन ज्वेलरी, डिजाइनर ड्रेस, होम लिनन और एथनिक ड्रेसेज विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। महिलाएं यहां से करवा चौथ की पारंपरिक साड़ी, नवरात्रि की गरबा ड्रेस या त्योहारों के लिए खास डिजाइनर परिधान खरीद सकती हैं। ग्रामिण हस्तकला विकास समिति के आयोजक जयेश कुमार ने बताया कि आज जब अधिकांश बुनकर बिचौलियों और बाजार की बढ़ती हुई असमानताओं के बीच अपनी कला बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, नेशनल सिल्क एक्सपो उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे सीधे ग्राहकों तक पहुंचकर अपने श्रम का सही मूल्य पा सकें। ग्राहकों के लिए इसका अर्थ है कि उन्हें यहां मौलिक, प्रामाणिक और उच्च गुणवत्ता के उत्पाद सही दामों पर उपलब्ध हो रहे हैं। साथ ही यह भी कि उनकी हर खरीद से किसी बुनकर परिवार की आजीविका को सीधा सहारा मिलता है।

इनड्राइव लेकर आया है चंडीगढ़ में फेयर और फेस्टिव राइड्स

चंडीगढ़। इनड्राइव ने चंडीगढ़ के निवासियों को दे रहा है बिना सर्ज प्राइसिंग की सुविधा, कम्फर्ट राइड्स और अपनी पसंद चुनने की आजादी। इनड्राइव का पीयर-टू-पीयर प्राइसिंग मॉडल यात्रियों को अपना किराया तय करने की सुविधा देता है, जिसे ड्राइवर स्वीकार, अस्वीकार या काउंटर कर सकते हैं। यह खासकर त्यौहारों जैसे हाई-डिमांड दिनों में राइड्स को फेयर और ट्रांसपेरेंट बनाए रखता है। अविक कर्माकर, राइड-हेलिंग और मार्केटिंग लीड, इनड्राइव ने कहा कि त्योहार एकजुटता और आसानी का प्रतीक हैं। इनड्राइव में, हम चाहते हैं कि चंडीगढ़ के लोग बिना बढ़े हुए किराए की चिंता के त्योहार मनाएं। हमारा मॉडल यात्रियों और ड्राइवर दोनों को सशक्त बनाता है और राइड्स को ट्रांसपेरेंट और किफायती बनाए रखता है। चाहे सेक्टर 17 मार्केट में शॉपिंग हो, एलांटे मॉल में फेस्टिव आउटिंग हो या ट्राइसिटी में परिवार से मिलने जाना हो - इनड्राइव इस पूरे सीजन में देता है किफायती, भरोसेमंद और आरामदायक राइड्स। इनड्राइव की खासियत है - कोई सर्ज प्राइसिंग नहीं, यात्रियों को ड्राइवर चुनने की आजादी (रेटिंग, ईटीए या व्हीकल के आधार पर), और कम्फर्ट क्लास राइड्स जो त्योहार की यात्राओं को और भी सुविधाजनक बनाती हैं। जैसे-जैसे चंडीगढ़ त्यौहारों की रौनक से सज रहा है, इनड्राइव हर राइड को बना रहा है आसान, सुरक्षित और खुशनुमा।

अल्जाइमर रोग पर अवेयरनेस सेशन आयोजित

चंडीगढ़। विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, में अल्जाइमर रोग पर आयोजित अवेयरनेस सेशन में मेडिकल प्रोफेशनल सहित 80 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सेशन के दौरान, मैक्स अस्पताल के वरिष्ठ न्यूरोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. पल्लव जैन ने अल्जाइमर रोग के लक्षणों, उपलब्ध उपचार विकल्पों और इसके शीघ्र उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. जैन ने कहा, अल्जाइमर एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है जो स्मृति, सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है। समय के साथ, यह व्यक्ति की साधारण दैनिक कार्य करने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। हालाँकि अधिकांश मामलों में इसका सटीक कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि उम्र से संबंधित, आनुवंशिक और जीवनशैली संबंधी कारकों का संयोजन इसके विकास में योगदान देता है।

इक प्यार का नगमा है कार्यक्रम में संतोष कटारिया के संगीत ने जादू बिखेरा

चंडीगढ़। टैगोर थिएटर, सैक्टर-18 में जया गोयल सोशल वैलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित संगीतमय कार्यक्रम इक प्यार का नगमा है प्रस्तुत किया गया जिसमें जाने माने संगीतकर संतोष कटारिया के संगीत सायोजन ने दर्शकों को प्रभावित किया . स्मरण रहे की संतोष कटारिया सैंकड़ो हिंदी पंजाबी गीतों के अलावा कई पंजाबी फीचर फिल्मों का संगीत निर्देशन भी कर चुके है और संगीत के क्षेत्र में उनकी एक अलग पहचान है.कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डेराबस्सी के विधायक कुलजीत रंधावा ने दीप प्रज्वलित कर किया उनके साथ डेराबस्सी एमसी की प्रेसिडेंट आशु उपनेजा भी उपस्थित रहीं। संस्था की संचालक एवं समाजसेवी जया गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 22 पीस ओर्केस्ट्रा एवं लाइव बैंड रहा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में चण्डीगढ़ के अलावा पंजाब, हरियाणा व दिल्ली, मुंबई से आये 55 शौकीन गायक-गायिकाओं ने अपनी प्रस्तुतियां दीं जिन्होंने लता मंगेशकर, किशोर कुमार, मुकेश, मोहम्मद रफी और आशा भोंसले द्वारा गाए गए एक से बढ़ के एक सुरीले गानों से श्रोताओं पर सुरमई जादू कर दिया। खुद जया गोयल ने इक प्यार का नगमा है और चंदन सा बदन, चंचल चितवन गाकर श्रोताओं को पुराने फि ल्मी गानों के सुनहरी युग में ले गईं, जबकि तनिष्का मठारू ने सत्यम शिवम सुंदरम गाकर माहौल को भक्तिरस में डुबो दिया। युगल गीतों में संजय और इंदु बाला ने वादा कर ले साजना तथा अवतार और पूनम ने अभी न जाओ छोड़कर गाकर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम का मंच संचालन पुनीता बावा ने किया इस अवसर पर डॉ. मंजीत बल, साधना सांगर, गुलशन सोनी, आदर्श गोयल, डॉ. सुधांशु शेखर उमेश गोयल, रमेश गुप्ता, मनुज मित्तल, ज्योति गोयल, नेहा मित्तल, उषा गुप्ता आदि भी मौजूद रहे।

आईआईटी रोपड़ ने जम्मू-कश्मीर में स्थित मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में अपने पहले साइबर-फिजिकल सिस्टम्स लैब का शुभारंभ किया

संवाददाता
रोपड़/चंडीगढ़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स द्वारा समर्थित अपना 17वां साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (उढर) लैब मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू में गर्वपूर्वक उद्घाटित किया। यह आयोजन अकादमिक संस्थानों में उढर तकनीकों के उन्नत अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक सहयोगात्मक मिशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जम्मू, जो माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह जी का संसदीय क्षेत्र है, में लैब का उद्घाटन ठट-क्छढर के तहत एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह भारत को उढर-आधारित नवाचार, उन्नत अनुसंधान और अगली पीढ़ी के कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की सरकार की दूरदृष्टि को सुदृढ़ करता है।

स्वागत भाषण प्रो. अंकुर गुप्ता, निदेशक, टक्एळ द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने उभरती तकनीकों के माध्यम से छात्रों और संकाय को सशक्त बनाने में ऐसे रणनीतिक सहयोग की महत्ता पर बल दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी रोपड़ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के चीफ इनोवेशन ऑफिसर डॉ. मुकेश सी. केस्टवाल उपस्थित रहे। उनके साथ टक्एळ के प्रो. साहिल सहनी (डीन स्ट्रैटेजी एवं क्वालिटी एश्योरेंस), प्रो. देवनंद पाढ़ा (डीन अकादमिक अफेयर्स), और डॉ. सुरभि शर्मा (प्रमुख, एउए विभाग) भी मौजूद रहे। अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ. केस्टवाल ने उढर तकनीकों तक लोकतांत्रिक पहुंच, नवाचार-प्रेरित विकास और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उढर लैब की स्थापना के अतिरिक्त, आईआईटी रोपड़ जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के स्टार्टअप्स को अपने नवाचार और इनक्यूबेशन कार्यक्रमों के तहत सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। विशेष रूप से, जम्मू-कश्मीर आधारित स्टार्टअप को नई दिल्ली में डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कई अन्य स्टार्टअप्स भी आईआईटी रोपड़ के इकोसिस्टम का हिस्सा हैं, जो क्षेत्र में विज्ञान और तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा दे रहे हैं।

आआईटी में स्थापित लैब आईआईटी रोपड़ द्वारा विकसित उन्नत किट्स से सुसज्जित है, जो 24x7 प्लग-एंड-प्ले एक्सेस के साथ व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करती हैं। प्रमुख संसाधनों में -डल्ली सर्किट प्रोटोटाइपिंग मशीन, इछ्ए विकास उपकरण, लो-पावर कैमरा मॉड्यूल, पर्यावरणीय सेंसर, प्रदान किए गए जो उढर और स्मार्ट तकनीकों की गहन खोज को संभव बनाते हैं।

समारोह का समापन उढर लैब के औपचारिक उद्घाटन, एक निर्देशित भ्रमण और इसकी उन्नत क्षमताओं का लाइव प्रदर्शन के साथ हुआ। उच्च प्रभाव वाले प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के केंद्र के रूप में डिजाइन की गई यह लैब छात्रों, शोधकताओं, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों को समान रूप से लाभान्वित करेगी। आईआईटी रोपड़ की तकनीकी टीम ने प्रतिभागियों के लिए उढर-आधारित टूलकिट्स और व्यावहारिक शिक्षा अवसरों का परिचय देते हुए पहली प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन सत्र का संचालन किया।

सुपर टाइफून रागासा ने हांगकांग और दक्षिणी चीन में तबाही मचाई

तेज हवाओं ने पेड़ों और इमारतों को तहस-नहस कर दिया

❍ लगभग एक दर्जन शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएं स्थगित कर दी गईं

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग (चीन)

एशिया में बीते कई वर्षों में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक सुपर टाइफून रागासा के प्रभाव से बुधवार को हांगकांग के सैरगाहों पर लैंपपोस्ट से भी ऊंची लहरें उठीं। ताइवान और फिलीपींस में तबाही मचाने के बाद रागासा ने दक्षिणी चीनी तट पर समुद्र को अशांत कर दिया। ताइवान में 17 और उत्तरी फिलीपींस में 10 लोगों की मौत की सूचना है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और चाइना डेली अखबार के अनुसार, दक्षिणी चीन के आर्थिक केंद्र ग्वांगडोंग प्रांत में 20 लाख से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया। चुआनदाओ शहर के एक मौसम केंद्र ने दोपहर में 241 किलोमीटर प्रति घंटे (लगभग 150 मील प्रति घंटे) की अधिकतम गति से हवा के झोंके दर्ज किए। जियांगमेन शहर में तेज हवाएं चलीं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने कहा कि तूफान ने यांगजियांग शहर के हेलिंग द्वीप के तट पर शाम लगभग पांच बजे दस्तक दी। तेज हवाओं ने पेड़ों और इमारतों को तहस-नहस कर दिया। मूसलाधार बारिश से दृश्यता कम हो गई। तूफान के पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना से गुरुवार को गुनाग्शी क्षेत्र में कुछ रेल सेवाओं को स्थगित करना पड़ा। लगभग एक दर्जन शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएं स्थगित कर दी गईं। रागासा की तेज

फोटोः हि.स.

हवाओं ने हांगकांग के निवासियों को तड़के ही जगा दिया। तेज हवाओं ने एक पैदल यात्री पुल की छत के कुछ हिस्से उड़ा दिए।सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए। एक जहाज तट से टकरा गया। 90 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया। हांगकांग और मकाओ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। लोगों ने अस्थायी केंद्रों में शरण ली। हांगकांग की वेधशाला ने कहा कि कुछ समय तक तो 185 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक तेज गति की हवा चली। हवा की यह गति 1950 के बाद पहली बार देखी गई।

यह दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात है। ताइवान में भारी बारिश के कारण मंगलवार को गुआंगफू कस्बे की सड़कें उफनती नदियों में बदल गईं। हुआलिएन काउंटी में एक झील के उफान पर आने से 17 लोगों की मौत हो गई। गुआंगफू में लगभग 8,450 लोग रहते हैं। उत्तरी फि लीपींस में कम से कम 10 लोगों की मौत की सूचना है, जिनमें सात मछुआरे भी शामिल हैं। ताइवान में लगभग सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। स्टेट काउंसिल के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता चेन बिन्हुआ ने इसकी पुष्टि की है। ग्वांगडोंग मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, इसकी तीव्रता धीरे-धीरे कम होने के साथ, इस तूफान के लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने घोषणा की है कि वह गुरुवार सुबह से धीरे-धीरे पूरी क्षमता के साथ परिचालन पुनः शुरू करेगा। पूरे दिन में 1,000 से अधिक उड़ानों का संचालन होने की उम्मीद है।

पश्चिमी वेनेजुएला और कोलंबिया के कुछ हिस्सों में भूकंप के तेज झटके

❍ रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.4 और गहराई 26.5 किलोमीटर मापी गई

एजेंसी (हि.स.)
काराकास (वेनेजुएला)

पश्चिमी वेनेजुएला और कोलंबिया के कुछ हिस्सों में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अभी तक किसी भी तरह के नुकसान या किसी के भी हताहत की सूचना नहीं है। वेनेजुएला भूकंप अनुसंधान संस्थान का कहना है कि 24 सितंबर को देश के पश्चिमी भाग में दो बार भूकंप आया। पहला भूकंप शाम 6:22 बजे दर्ज किया गया। इसका केंद्र ट्रूजिलो राज्य के ला सेइबा से 40 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 और गहराई 26.5 किलोमीटर थी।

वेनेजुएला के ऑनलाइन समाचार माध्यम एल नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, इसके कुछ देरबाद शाम 6:29 बजे दूसरा भूकंप आया। इसका केंद्र जूलिया के बाचाक्वेरो से 58 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। इसकी तीव्रता 4.9 और गहराई 34.3 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके जूलिया, फाल्कन, लारा,

फोटोः हि.स.

कैपिटल डिस्ट्रिक्ट, याराक्यू, पोटुर्गुसा और ट्रूजिलो जैसे राज्यों के साथ-साथ कोलंबिया के कई अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए। कुछ घंटे पहले कोलंबियाई भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और चिली के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने 6.0 से 6.3 की प्रारंभिक तीव्रता वाले भूकंप की सूचना दी थी। इनका अनुमानित केंद्र सबाना डी मेंडोजा (ट्रूजिलो) से 42 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बताया गया था। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों में केंद्र माराकाइबो झील के पूर्वी तट पर मेने ग्रांडे और बाचाक्वेरो (जूलिया) जैसे क्षेत्रों में बताया गया। उल्लेखनीय है कि भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भू-गर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में झटका तेज होता है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

असोला भट्टी वाइल्डलाइफ सेंचुरी में भूपेंद्र यादव ने किया पौधरोपण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सेवा पर्व 2025 के अवसर पर केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को असोला भट्टी वाइल्डलाइफ सेंचुरी में पौधा लगाया। यह पौधारोपण कार्यक्रम राष्ट्रीय अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' का हिस्सा है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, केन्द्रीय मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, दिल्ली सरकार के राज्य वन विभाग के प्रतिनिधियों तथा असोला भट्टी में तैनात 132 ईको टास्क फोर्स राजपूत रेजिमेंट के जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर भूपेंद्र यादव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं और ईटीएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण करने और समाज में पर्यावरण सुरक्षा को सामूहिक आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। सभी को इस आंदोलन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस मौके पर मंत्रालय और

फोटोः हि.स.

राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन सामुदायिक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को जारी रखने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ। 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल पर बल देते हुए नागरिकों को अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

हमास को हराने और बंधकों को छुड़ाने के लिए सैन्य एवं राजनयिक प्रयास जारीः नेतन्याहू

यरुशलेम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि गाजा में बंधक बनाए गए नागरिकों की रिहाई और हमास को परास्त करने के लिए लगातार सैन्य और कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि नेतन्याहू ने यह भरोसा बंधक अलोन ओहेल के परिवार को दिया है, जो अब भी गाजा में कैद हैं। अलोन के पिता कोबी ओहेल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा से लौटते समय ऐसा समाचार लेकर आएंगे जिसका इंतजार पूरे इजराइल को है। उन्होंने कहा, 'यह यात्रा एक ऐसा क्षण है जब सभी मंत्रियों को प्रधानमंत्री को समर्थन और ताकत देनी चाहिए ताकि वे अलोन और अन्य सभी बंधकों की रिहाई के लिए निर्णायक कदम उठा सकें।' नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं, जहां शुक्रवार को वे संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी तय है, जिसमें बंधकों की रिहाई पर विशेष चर्चा होगी। बंधक परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले होस्टेज फैमिलीज फोरम ने भी उम्मीद जताई है कि इस दौरे से बंधक संकट के समाधान की दिशा में ठोस पहल होगी।

बलोचिस्तान में बीएलएफ के हमले में पाक के दो सैन्यकर्मी मारे गए, तीन घायल

एजेंसी (हि.स.)
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलोचिस्तान में पाकिस्तान के दो सैन्यकर्मियों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलएफ ने कहा कि उसके लड़ाकों ने इस हमले में तीन अन्य सैन्यकर्मी घायल भी हो गए। इसके अलावा बलूचिस्तान छात्र संगठन (बीएसओ) के पुजार गुट ने अपने पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलोच की मौत पर शोक जताते हुए उन्हें शहीद घोषित किया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ के प्रवक्ता घोरम बलूच ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि 24 सितंबर को सुबह 8:00 बजे अवारन क्षेत्र के बुजदाद में पाकिस्तान सेना के पैदल गश्ती दल को रिमोट कंट्रोल बम विस्फोट से निशाना बनाया गया। हमले में दो सैन्यकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। प्रवक्ता ने बताया

फोटोः हि.स.

कि हमले के आधे घंटे बाद हेलीकॉप्टर आये और सैनिकों के शवों और घायलों को ले गए। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य अभियान में 20 सितंबर को बीएलएफ ने बरखान क्षेत्र, वादी बाघाओ, परघारा में सड़क पर काम कर रही एक निर्माण कंपनी की मशीनरी पर गोलीबारी की और फिर क्रैश प्लांट सहित मशीनरी में आग लगा दी। प्रवक्ता ने बताया कि बीएलएफ ने बुजदाद में रिमोट कंट्रोल बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली है, जिसमें दो सैन्यकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। संघटन ने बरखान के बाघाओ में सड़क पर एक निर्माण कंपनी की मशीनरी पर हमले की भी जिम्मेदारी ली है। इस बीच बीएसओ पुजार ने अपने पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलोच की हत्या के बाद उन्हें शहीद और दागर की उपाधि प्रदान की है। संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता ने बयान में कहा गया है कि संगठन के पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलोच शांतिपूर्ण संघर्ष और जनसेवा में विश्वास रखते थे। उनके नेतृत्व में संगठन ने हमेशा शिक्षा, न्याय और मानवाधिकारों के लिए काम किया। संगठन ने कहा है कि दलबंदिन में जुबैर बलोच के घर पर दुखद हमला हुआ, जिसमें वह शहीद हो गए।

संक्षिप्त-समाचार

भूटान कार तस्करी : सीमा शुल्क अधिकारी अरुणाचल प्रदेश में पंजीकृत एसयूवी की जांच कर रहे

कोच्चि। भूटान से पुरानी कारों की संदिग्ध तस्करी की छानबीन कर रही कोच्चि की सीमा शुल्क निवारक इकाई अरुणाचल प्रदेश में पंजीकृत प्रथम स्वामित्व वाली 1992 मॉडल की टोयोटा लैंड क्रूजर एसयूवी की विस्तृत जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस एसयूवी को 2012 में असम के एक पते पर माहिन के नाम पर पंजीकृत किया गया था। एक सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि हालांकि, तफ्तीश में पता चला कि वाहन वास्तव में मुवत्तुपुझा के माहिन अंसारी का था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने कहा कि अन्य जब्त किए गए वाहनों के विपरीत यह एसयूवी पहले माहिन के नाम पर पंजीकृत थी और इसका कोई पिछला मालिक नहीं था। सूत्रों ने कहा, यह एसयूवी पहली बार 2012 में पंजीकृत हुई थी और अब भी माहिन के नाम पर है। इसका मतलब है कि 1992 मॉडल को विदेश से आयात किया गया था। हमारी जांच से पता चला कि यह भूटान से आई थी। यह जांचना होगा कि क्या इसे वास्तव में शुल्क और करों का भुगतान करने के बाद आयात किया गया था। इस सफेद रंग की एसयूवी को कोच्चि के कुंडन्नूर में एक वर्कशॉप से जब्त किया गया जहां इसे काले रंग में रंगने का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने कहा, 'वाहन को दो सप्ताह पहले वर्कशॉप में लाया गया था। सीमा शुल्क निवारक इकाई (कस्टम्स प्रिवेन्शन यूनिट) ने माहिन से पूछताछ करने का फैसला किया है और उसे आयात कागजात सहित वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज पेश करने के लिए बुलाया जाएगा।

प्रेमी युगल के शव मकान से बरामद : हत्या के बाद आत्महत्या का शक

बुलंदशहर (उप्र)। बुलंदशहर जिले के डिबाई क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक युवक ने अपनी प्रेमिका की कथित रूप से गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि डिबाई थाना क्षेत्र के सराय किशनचंद मुहल्ले में आज तड़के करीब साढ़े तीन बजे एक मकान में प्रिंस (25) और उसकी 15 वर्षीय कथित प्रेमिका दीया के शव संदिग्ध हालात में पाये गये। उन्होंने बताया कि प्रिंस और दीया मुजफ्फरनगर से आये थे। इस सिलसिले में मुजफ्फरनगर के छपार थाने में प्रिंस के खिलाफ नाबालिग लड़की का अपहरण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज है। वे दोनों बुलंदशहर के डिबाई थाना क्षेत्र स्थित सराय किशनचंद मुहल्ले में नरेन्द्र कुमार के मकान में किराये पर रह रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर मुजफ्फरनगर के छपार थाने की पुलिस लड़की को मुक्त कराने के लिये प्रिंस के किराये के मकान पर पहुंची थी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस के साथ प्रिंस का फूफा भी था और उसने उससे दरवाजा खोलने के लिये कहा था, मगर उसने दरवाजा नहीं खोला। कुछ ही देर बाद बगल में रहने वाले लायक सिंह नामक व्यक्ति की छत पर गोली चलने की आवाज सुनायी दी। सूत्रों के अनुसार, सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रिंस और दीया के खून से लथपथ शव बरामद किये।

भाजपा विधायक गणेश गांवकर को गोवा विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया

पणजी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक गणेश गांवकर को बृहस्पतिवार को सदन के विशेष सत्र के दौरान बहुमत हासिल करने के बाद गोवा विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। राज्यपाल पी अशोक गजपति राजू ने नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए विशेष सत्र बुलाया था। पिछले महीने रमेश तवाडकर के इस्तीफे के कारण अध्यक्ष का पद खाली हो गया था, जिन्हें प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाले राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।गांवकर को अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार अल्टोन डी॒कोस्टा के खिलाफ 32 वोट मिले। कोस्टा को केवल सात विधायकों का समर्थन प्राप्त था। सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करने वाले उपाध्यक्ष जोशुआ डिसूजा ने 66 वर्षीय गांवकर को विधानसभा का नया अध्यक्ष घोषित किया। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ बाद में नवनिर्वाचित अध्यक्ष को आसन तक ले गए और उन्हें बधाई दी। गोवा के 40 सदस्यीय सदन में 28 विधायकों वाली भाजपा को महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के दो विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

मप्र : जबलपुर में दुर्गा पंडाल के पास करंट लगने से दो बच्चों की मौत, जांच दल गठित

एजेंसी (हि.स.)
जबलपुर

मध्यप्रदेश में जबलपुर के बरगी हिल्स इलाके में देवी दुर्गा के पंडाल के निकट बुधवार रात को करंट लगने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि तिलवारा थाना क्षेत्र के बरगी हिल्स में हुई इस घटना में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान आयुष झारिया (08) और वेद श्रीवास (10) के रूप में हुई है। राज्य के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने घटना पर दुख जताते हुए बृहस्पतिवार को ह्यपीटीआई-वीडियोह्ल से कहा कि उन्होंने इसकी जांच के आदेश दिए हैं और इसके लिए एक टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा, जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।जबलपुर के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने घटना की जांच के लिए

फोटोः हि.स.

उपसंभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) गोरखपुर, अनुराग सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। टीम के अन्य सदस्यों में पीडब्ल्यूडी के एसडीओ इलेक्ट्रिकल एंड मेंटेनेंस (ई एंड एम) एस के शर्मा और ईस्ट जोन इलेक्ट्रिसिटी कंपनी के सहायक अभियंता दिनेश पाल शामिल हैं।

कलेक्टर ने जांच दल को घटना के कारणों और सभी संभावित कोणों की जांच करने और तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। अनुराग सिंह ने बुधवार रात बताया था कि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक करंट एक खंभे आया, जिसके संपर्क में आने से बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आयोजकों ने पंडाल के लिए उचित बिजली कनेक्शन लिया था, लेकिन बाहरी सजावट के लिए ऐसा नहीं किया गया था। शहर के पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) आशीष जैन ने कहा कि बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मंत्री राकेश सिंह ने जिलाधिकारी से बातचीत कर दोनों पीड़ितों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

मेरठ में महिला पर तेजाब फेंकने का मामला : मुख्य आरोपी मुठभेड़ में घायल होकर गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)। मेरठ जिले में महिला पर तेजाब फेंकने की वारदात के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंतरिक्ष जैन ने बृहस्पतिवार को बताया कि 23 सितंबर को लोहियानगर थाना क्षेत्र में रुखसाना नामक महिला पर तेजाब फेंका गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी महेंद्र कुमार उर्फ महेंद्र प्रजापति ने अपने साथी एक नाबालिग बाल अपचारी को 2000 रुपये का लालच देकर इस वारदात को अंजाम दिलाया था। घटना के बाद नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था जबकि महेंद्र भाग गया था।जैन ने बताया कि बुधवार देर रात लोहियानगर पुलिस और स्वाट टीम को सूचना मिली कि महेंद्र जलालपुर की तरफ जाने वाले रास्ते पर मौजूद है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने पुलिस पर गोलियां चलायीं। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि महेंद्र के खिलाफ तेजाब फेंकने के मामले के अलावा शस्त्र अधिनियम के तहत भी मुकदमा दर्ज है। जैन ने बताया कि वारदात की वजह के बारे में पूछने पर गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि उसके पूर्व में रुखसाना के साथ प्रेम संबंध थे।

सीबीआई सोनम वांगचुक की संस्था के एफसीआरए उल्लंघन की जांच कर रही हैः अधिकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने लद्दाख के शिक्षाविद् और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित एक संस्थान के खिलाफ विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम के कथित उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुछ समय से जांच जारी है, लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। संपर्क करने पर वांगचुक ने बताया कि सीबीआई की एक टीम लगभग 10 दिन पहले एक आदेश लेकर आई थी, जिसमें कहा गया था कि वे हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख (एचआईएएल) में कथित विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन के संबंध में गृह मंत्रालय की शिकायत पर कार्रवाई कर रहे हैं। वांगचुक ने दावा किया, आदेश में कहा गया था कि हमने विदेशी धन प्राप्त करने के लिए एफसीआरए के तहत मंजूरी नहीं ली है। हम विदेशी धन पर निर्भर नहीं रहना चाहते, लेकिन हम अपने ज्ञान के जरिये राजस्व जुटाते हैं। ऐसे तीन मामलों में, उन्हें लगा कि यह विदेशी योगदान है। उन्होंने बताया कि सीबीआई की एक टीम ने पिछले हफ्ते एचआईएएल और स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का दौरा किया और 2022 और 2024 के बीच उन्हें मिले विदेशी धन का ब्योरा मांगा। उन्होंने बताया कि टीम अब भी लद्दाख में डेरा डाले हुए हैं और संगठनों के खातों और बैंक विवरण की जांच कर रही हैं। वांगचुक ने आरोप लगाया, यह एक बहुत ही गरिमापूर्ण कार्य था। उन्होंने इसे देखा और वे आश्वस्त हो गए। वे समझ गए कि इससे उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही है, इसलिए उन्होंने उस अवधि के बाहर के खाते मांगने शुरू कर दिए। उनका अधिदेश 2022 और 2024 के दौरान खातों की जांच करने का था, लेकिन उन्होंने 2021 और 2020 के खाते मांगने शुरू कर दिए। फिर वे हमारे स्कूल गए और अपने अधिदेश की अवधि के बाहर के विभिन्न दस्तावेज और शिकायत के दायरे से बाहर के एक स्कूल के बारे में जानकारी मांगी ।ये दोनों स्कूल जरूरतमंद युवा छात्रों को मुफ्त शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा कि एचआईएएल में छात्रों को विभिन्न परियोजनाओं पर उनके काम के लिए वजीफा दिया जाता है। वांगचुक ने कहा, सीबीआई अधिकारी अब भी लद्दाख में डेरा डाले हुए हैं और रिकॉर्ड की गहन जांच कर रहे हैं। वांगचुक ने कहा कि सीबीआई अधिकारियों ने उनसे कोई पूछताछ नहीं की है। कार्यकर्ता ने बताया कि पहले स्थानीय पुलिस ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया। इसके बाद, पट्टे की राशि का भुगतान नहीं किए जाने का हवाला देते हुए एचआईएएल के लिए दी गई जमीन वापस लेने का आदेश दिया गया।

मुंबई में कोस्टल रोड पर कार में आग लगने से यातायात बाधित

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

मुंबई के कोस्टल रोड पर बृहस्पतिवार सुबह एक कार में आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने इस मार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात रोक दिया जिससे इलाके में भारी यातायात जाम लग गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना सुबह करीब नौ बजे कोस्टल रोड की दक्षिण दिशा वाली सुरंग के अंदर हुई।

मुंबई यातायात पुलिस ने अपने ह्यएक्सह्ल हैंडल पर बताया, कार में आग लगने के कारण कोस्टल रोड (तारदेव) के दक्षिण और उत्तर की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात रोक दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि व्यस्त समय के दौरान कार में आग लग गई और सुरंग के पास उत्तर एवं दक्षिण की ओर जाने वाली दोनों लेन पर भारी जाम लग गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद हाजी अली और वर्ली कनेक्टर

फोटोः हि.स.

पर यातायात का मार्ग बदल दिया गया। अधिकारी ने बताया कि यातायात पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और एक घंटे के अभियान के बाद कार को हटा दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद दोनों तरफ यातायात बहाल हो गया।

दक्षिण मुंबई और उपनगरों के बीच यात्रा के समय को कम करने के लिए बनाए गए कोस्टल रोड के पूरे हिस्से को 16 अगस्त को सभी प्रकार के चार पहिया वाहनों और बसों के लिए खोल दिया गया था। यह मार्ग वाहनों के लिए 24 घंटे खुला रहेगा। पिछले रविवार को एक तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार कोस्टल रोड के डिवाइडर से टकरा गई थी, हालांकि हादसे में चालक बाल-बाल बच गया।

उपलब्धि

लंबी दूरी की परमाणु सक्षम मिसाइल ने टारगेट पर किया सटीक हमला

रेल मोबाइल लॉन्चर से अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण सफल

❍ डीआरडीओ में विकसित 2000 किलोमीटर रेंज की इस मिसाइल को जल्द ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत ने पहली बार गुरुवार को रेल-मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से मध्यम दूरी की अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है। 2000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली यह अगली पीढ़ी की मिसाइल उन्नत विशेषताओं से लैस है, जो इसकी सटीकता, गतिशीलता और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। लंबी दूरी की इस परमाणु सक्षम मिसाइल को दूर से नियंत्रित करके दुश्मन के टारगेट पर सटीक हमला किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, एसएफसी तथा सशस्त्र बलों को इस सफल परीक्षण के लिए बधाई दी है।

डीआरडीओ में विकसित 2000 किलोमीटर रेंज की इस मिसाइल को जल्द ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा। यह मिसाइल काफी वजनी है, इसलिए इसे पहले से सेवा में शामिल अग्नि-1 की जगह शस्त्रागार में शामिल किये जाने की योजना है। वैसे तो इस मिसाइल के ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से पहले कई सफल परीक्षण किए जा चुके हैं, लेकिन आज पहली बार रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से 2,000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली नई पीढ़ी की परमाणु क्षमता वाली अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार मिसाइल ने अधिकतम सीमा तक जाकर अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। यह अग्नि सीरीज की आधुनिक, घातक,

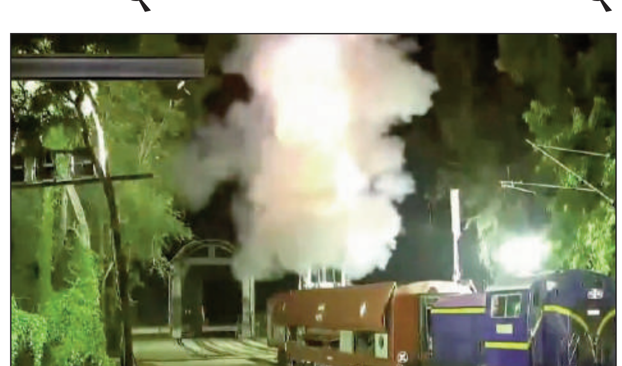
फोटोः हि.स.

सटीक और मीडियम रेंज की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल है। भारत की यह परमाणु मिसाइल एक साथ दुश्मन के कई टारगेट तबाह कर सकती है। अग्नि प्राइम मिसाइल के तीन सफल विकासात्मक परीक्षणों के बाद उपयोगकर्ता दो प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च कर चुके हैं, जिसने सिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता को मान्य किया। पछला रात्रि परीक्षण 04 अप्रैल, 2024 को किया गया था। परमाणु मिसाइल का पहला प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च 07-08 जून, 2023 की रात को किया गया था। परीक्षण के दौरान उड़ान डेटा को कैप्चर करने के लिए टर्मिनल बिंदु पर दो डाउनरेंज जहाजों सहित विभिन्न स्थानों पर रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंटेशन तैनात किए गए थे। अग्नि प्राइम मिसाइल ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंटेशन से मिले डेटा ने मिसाइल सिस्टम के प्रदर्शन को पूरी तरह सफल करार दिया है।

सशस्त्र बलों में पहले से शामिल अग्नि-1 मिसाइल की जगह इसे प्रतिस्थापित किये जाने की योजना है। अग्नि परियोजना से जुड़े एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि अग्नि-कसिंगल स्टेज की मिसाइल है, जबकि 'अग्नि प्राइम' दो स्टेज के रॉकेट मोटर पर चलने वाली मिसाइल है, जिसका तीसरा स्टेज मैन्यूवरेबल रीएंट्री व्हीकल है। यानी इससे तीसरे स्टेज को दूर से नियंत्रित करके दुश्मन के टारगेट पर सटीक हमला किया जा सकता है। डबल-स्टेज अग्नि प्राइम में एक कनस्तर संस्करण होगा, जिससे इसे सड़क और मोबाइल लॉन्चर दोनों से फायर किया जा सकता है। इस पर 1500 किलोग्राम से 3000 किलोग्राम वजन के हथियार लगाए जा सकते हैं। 'अग्नि प्राइम' को बीईएमएल-टट्रा ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर से दागा जाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि मिसाइल का सफल विकास और इसकी तैनाती सशस्त्र बलों के लिए एक उत्कृष्ट ताकत साबित होगी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल उड़ान परीक्षण के लिए एसएफसी और डीआरडीओ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि परमाणु और पारंपरिक दोनों प्रकार के आयुध ले जाने में सक्षम अग्नि-1 प्राइम से भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हुई है।

भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराया, फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

एशिया कप 2025: भारतीय टीम की जीत के साथ श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर

कुलदीप यादव ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए

एजेंसी (हि.स.)

दुबई

एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ ही श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, जबकि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच अब सेमीफाइनल जैसा बन गया है। भारत से मिले 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम शुरूआत से दबाव में रही। सलामी बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बाद सैफ हसन (69 रन, 51 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) ने परवेज हुसैन इमोन (21 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। अंततः बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर सिमट गई।

फोटोः हि.स.

भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और बांग्लादेश को कभी संभलने का मौका नहीं दिया। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए। जबकि जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को दो-दो सफलता मिली। वहीं, अक्षर पटेल और तिलक वर्मा ने भी एक-एक विकेट चटकाए।इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। भारत की पारी के हीरो रहे अभिषेक शर्मा, जिन्होंने 37 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से 75 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा हार्दिक पांड्या ने 38 रन (29 गेंद) बनाए। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव (5), शिवम दुबे (2), तिलक वर्मा (5) जैसे बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

बांग्लादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने 3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जबकि तंजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान और मोहम्मद सैफुद्दीन को एक-एक सफलता मिली। इस जीत से भारत ने फाइनल का टिकट पक्का कर लिया है और अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले अहम मुकाबले पर टिकी होंगी, जो दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल का काम करेगा।

यूरोपा लीग: फ्राइबर्ग ने बासेल को 2-1 से हराकर जीत के साथ की अभियान की शुरूआत

एजेंसी (हि.स.)

बर्लिन

जर्मन क्लब एससी फ्राइबर्ग ने यूरोपा लीग ग्रुप चरण की शुरूआत जीत के साथ की। बुधवार रात खेले गए मुकाबले में फ्राइबर्ग ने स्विट्जरलैंड की टीम एफसी बासेल को 2-1 से मात दी। मैच की शुरूआत में ही बासेल ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में अल्बान अजेटी के हेडर ने फ्राइबर्ग गोलकीपर नोआ अतुबोलु को शानदार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। धीरे-धीरे फ्राइबर्ग ने लय पकड़ी और आक्रामक प्रयास शुरू किए।

पहला गोल 30वें मिनट में आया। हाई प्रेसिंग के बाद योहान मन्जाम्बी के पास से गेंद ओस्टरहागे को मिली और उन्होंने यूरोपा लीग डेब्यू पर शानदार लो शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई।

हाफ टाइम से पहले बासेल ने वापसी की कोशिश की, जहां आर्लेट जूनियर जे का प्रयास असफल रहा और अनुभवी जेरदान शाकिरी ने मिडफील्ड से टीम को संभाला।

दूसरे हाफ में फ्राइबर्ग ने बढ़त दोगुनी कर दी। विन्सेन्जो ग्रिफो के बेहतरीन क्रॉस पर मैक्सिमिलियन एग्गेस्तीन ने हेडर से गोल किया। गोलकीपर मिर्को साल्वी की कोशिश नाकाम रही और स्कोर 2-0 हो गया।

फोटोः हि.स.

हालाँकि कई मौके गंवाने के बाद फ्राइबर्ग अंत तक दबाव में आ गया। 84वें मिनट में बासेल के सब्सटीट्यूट फिलिप ओटेल ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अंतर 2-1 कर दिया। अंतिम मिनटों में फ्राइबर्ग ने मजबूती से रक्षा की और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। यह जीत टीम के लिए लगातार दूसरी रही, इससे पहले उन्होंने लीग मुकाबले में भी जीत दर्ज की थी। अगला यूरोपीय मैच फ्राइबर्ग इटली के क्लब बोलोन्या के खिलाफ खेलेगा, जबकि बासेल का सामना वीएफबी स्टटगार्ट से होगा। मैच के हीरो ओस्टरहागे ने कहा, माहौल शुरू से ही शानदार था। हम 2-0 से आगे थे और भले ही मैच 2-1 पर खत्म हुआ, लेकिन यह शानदार नतीजा है। बासेल एक गुणवत्ता वाली टीम है और उसके खिलाफ आपको वाकई मेहनत करनी पड़ती है।

लिवरपूल के लियोनी को डेब्यू मैच में लगी घुटने की गंभीर चोट, लंबे समय तक बाहर रहने की संभावना

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

लिवरपूल के युवा डिफेंडर जियोवानी लियोनी अपने डेब्यू मैच में ही गंभीर चोट का शिकार हो गए। क्लब को आशंका है कि 18 वर्षीय खिलाड़ी को एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंटे (एसीएल) की चोट लगी है, जिसके कारण वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रह सकते हैं। लियोनी ने मंगलवार को खेले गए काराबाओ कप के तीसरे राउंड में साउथैम्पटन के खिलाफ शुरूआत की थी। लिवरपूल ने यह मुकाबला 2-1 से जीता, लेकिन लियोनी 81वें मिनट में चोटिल होकर बाहर हो गए। इटैलियन सेंटर-बैक लियोनी को लिवरपूल ने अगस्त में पार्मा से 26 मिलियन पाउंड (एड-ऑन सहित) में साइन किया था। मेडिकल जांच में संकेत मिले हैं कि उनके बाएँ घुटने में एसीएल की चोट हो सकती है, जिससे उनका मौजूदा सीजन लगभग खत्म माना जा रहा है। लियोनी ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, मैं हर उस व्यक्ति का शुक्रगुजार हूं, जिसने इस कठिन समय में मेरा साथ दिया।

फोटोः हि.स.

यह वह डेब्यू नहीं था जिसका मैंने सपना देखा था, लेकिन मैं पूरी कोशिश करूंगा कि जल्द से जल्द इस जादुई स्टेडियम में वापस लौट सकूं। मैनेजर आर्ने स्लॉट ने भी चोट की गंभीरता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, उसे तुरंत ही एहसास हो गया था कि चोट गंभीर है। अक्सर खिलाड़ियों की भावनाएं ही स्थिति का अंदाजा दे देती हैं। लियोनी के बाहर होने से लिवरपूल के पास अब केवल तीन सीनियर सेंट्रल डिफेंडर बचे हैं– वर्जिल वान डाइक, इब्राहिमा कोनाटे और जो गोमेज।

आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे श्रृंखला में श्रेयस अय्यर भारत ए के कप्तान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर को आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ कानपुर में 30 सितंबर से होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये भारत ए का कप्तान बनाया गया है जिससे 50 ओवरों की सीनियर टीम में उन्हें कमान सौंपे जाने की संभावना बन रही है हालांकि वह अगले छह महीने लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहेंगे । अय्यर ने हाल ही में बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर को बताया है कि वह कमर की तकलीफ के कारण लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेल सकते ।

भारत ए टीम में स्पिनर रवि बिश्नोई, विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, हरफनमौला रियान पराग और आयुष बडोनी शामिल हैं । भारतीय टीम के साथ यूएई में एशिया कप खेल रहे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह दूसरे (तीन अक्टूबर) और तीसरे मैच (पांच अक्टूर) के लिये भारत ए टीम से जुड़ेंगे । रजत पाटीदार को विदर्भ के खिलाफ नागपुर में एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिये शेष भारत का कप्तान बनाया गया है । बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने एक बयान में कहा ,श्रेयस अय्यर ने बीसीसीआई को लाल गेंद वाले क्रिकेट से छह महीने का ब्रेक लेने के अपने फैसले की जानकारी दी है। ब्रिटेन में पीठ की सर्जरी कराने और अच्छी तरह से ठीक होने के बाद हाल ही में लंबे प्रारूप में खेलते समय उन्हें बार-बार पीठ में ऐंठन और जकड़न का अनुभव हुआ है।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा ,वह इस समय का उपयोग अपनी सहनशक्ति, शरीर की लचीलापन और अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए करना चाहते हैं। उनके इस निर्णय के कारण, ईरानी कप के लिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया।

टीमें

पहले वनडे के लिये भारत ए टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह

दूसरे और तीसरे वनडे के लिये भारत ए टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह

शेष भारत टीम (ईरानी कप) : रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन , आर्यन जुयाल, रूतुराज गायकवाड़, यश ढुल, शेख रशीद, ईशान किशन, तनुष कोटियान, मानव सुतार, गुरनूर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कम्बोज, सारांश जैन ।

मेजर लीग सॉकर: मेसी के दो गोलों की बदौलत इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को 4-0 से हराया

एजेंसी (हि.स.)

न्यूयॉर्क

सिटी फील्ड स्टेडियम में गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मेजर लीग सॉकर मुकाबले में इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का जलवा देखने को मिला। उन्होंने दो गोल दागे और एक असिस्ट किया।

फोटोः हि.स.

मैच की शुरूआत से ही मेसी ने लय पकड़ ली और मैच के 43वें मिनट में बाल्तासर रोड्रिगेज को शानदार थ्रू बॉल देकर गोल का मौका बनाया और रोड्रिगेज ने बिना कोई गलती किए इसे गोल में बदलकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।दूसरे हाफ में 74वें मिनट में सर्जियो बुस्केट्स के पास पर मेसी ने गोलकीपर के ऊपर से बेहतरीन चिप शॉट मारकर अपना पहला गोल दागा और टीम की बढ़त 2-0 कर दी।इस गोल के 12 मिनट बाद मेसी ने फिर कमाल दिखाया। डिफेंस को चकमा देते हुए वह बॉक्स में घुसे और सटीक शॉट मारकर गेंद को निचले बाएं कोने में डाल दिया और अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। मैच के 83वें मिनट में लुईस सुआरेज ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को 4-0 से आसान जीत दिला दी। इस जीत के साथ मियामी ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस अंकतालिका में 55 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई और प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली।

ये चीजें कंप्लीट करेंगी आपका ब्राइडल लुक

अगर आपकी शादी पक्की हो चुकी है और अब आप अपने ब्राइडल लुक को लेकर उत्साहित हैं, तो ये समय है सही प्लानिंग का। दरअसल, शादी का दिन हर लड़की के जीवन का सबसे खास दिन होता है। ऐसे में हर दुल्हन चाहती है कि वो इस दिन सबसे खूबसूरत और परफेक्ट दिखे लेकिन ब्राइडल लुक सिर्फ एक सुंदर लहंगे तक सीमित नहीं होता, इसके लिए कई छोटी-बड़ी चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। ज्वेलरी से लेकर फुटवियर तक, हेयरस्टाइल से लेकर ब्राइडल क्लच तक हर आइटम आपके लुक में चार चांद लगा सकता है। ऐसे में अगर आप चाहती हैं कि आपकी तैयारी में कोई कमी न रह जाए, तो पहले से एक कंप्लीट लिस्ट बना लेना बेहतर होगा। इस लेख में हम आपको उन जरूरी चीजों की जानकारी देंगे, जो आपका ब्राइडल लुक पूरी तरह से कंप्लीट करेंगी। इसे पढ़ने के बाद आपको किसी और गाइड की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्राइडल आउटफिट

किसी भी दुल्हन के लिए उसका ब्राइजल आउटफिट सबसे अहम होता है। ऐसे में ट्रेंड के हिसाब से एक खूबसूरत सा लहंगा या फिर साड़ी अपने लिए तैयार करें। इसे तैयार खरीदने से पहले एक बार ट्राई अवश्य करें, कि ये आपपर जच रहा है या नहीं। इसके अलावा तैयार होने के बाद इसकी फिटिंग अवश्य चेक करें। वेडिंग आउटफिट को आप पर्सनलाइज भी करा सकती हैं। दुल्हन की ज्वेलरी उसके लुक को रॉयल बनाती है। इसलिए आउटफिट के हिसाब से अपनी ज्वेलरी का चयन करें। आजकल के ट्रेंड की बात करें तो आजकल कुंदन और पोल्की में चोकर पहनने का ट्रेंड है। इसके अलावा माथा पट्टी, कानों में झुमके और पसंद के हिसाब से नथ आपके लुक को खूबसूरत बनाएगी। ज्वेलरी का चयन अपनी पसंद के हिसाब से करें।

ज्वेलरी सेट

दुल्हन की ज्वेलरी उसके लुक को रॉयल बनाती है। इसलिए आउटफिट के हिसाब से अपनी ज्वेलरी का चयन करें। आजकल के ट्रेंड की बात करें तो आजकल कुंदन और पोल्की में चोकर पहनने का ट्रेंड है। इसके अलावा माथा पट्टी, कानों में झुमके और पसंद के हिसाब से नथ आपके लुक को खूबसूरत बनाएगी। ज्वेलरी का चयन अपनी पसंद के हिसाब से करें।

हेयर एक्सेसरीज

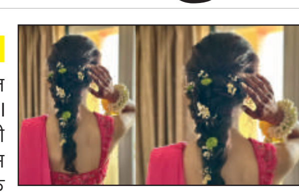

आपको अपनी हेयर एक्सेसरीज पहले से ही पसंद करके रखनी पड़ेगी। एकदम लास्ट टाइम पर सही एक्सेसरीज मिलना काफी कठिन काम है। इसलिए अपनी हेयर स्टाइल के हिसाब से ही अपनी एक्सेसरीज का चयन करें। ताकि लुक परफेक्ट रहे।

चूड़ा और कलीरे

भारतीय शादियों में ये सबसे अहम चीजें हैं। वैसे तो पंजाबी कल्चर में चूड़ा और कलीरे अहम माने जाते हैं, लेकिन आजकल इन्हें हर कोई पहनता है। खासतौर पर कलीरे पहनने का ट्रेंड तो अब काफी ज्यादा है। ऐसे में पर्सनलाइज्ड, स्टोन, फ्लोरल, मिनिमल कलीरे अपने लिए पसंद करें।

सही फुटवियर

आपका वेडिंग लुक कंफर्टेबल तभी रहेगा, जब आप सही फुटवियर पहनेंगी। अगर हील्स पहन रहीं हैं तो इसे एक दो बार पहन कर ट्राई कर लें। ताकि अगर ये आपके पैरों में काट रही हों, तो पहले से पता लग जाए। हील्स के अलावा आप अपने कंफर्ट के हिसाब से फुटवियर का चयन कर सकती हैं।

ब्राइडल क्लच या पोटली बैग

आपके एथनिक आउटफिट से मैच करता हुआ एक क्लच या पोटली बैग आपके साथ होना बेहद जरूरी है। जिसमें अपनी कुछ जरूरत का सामान डाल लें। जैसे कि लिपस्टिक, टिश्यू, सेफ्टी पिन, बॉडी टेप। ये चीजें आपके लिए बेहद जरूरी हैं। इसमें एक छोटा सा लाइट और लॉन्ग लास्टिंग फ्रेग्रेंस अवश्य रख लें।

प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट

शादी के दिन अगर मेकअप सही नहीं होगा, तो आपका लुक भी अजीब दिखेगा, और तस्वीरें भी अजीब ही आएंगी। इसलिए किसी अच्चे मेकअप आर्टिस्ट को बुक करें। एक बार उससे ट्रायल अवश्य लें, जिससे पता लग पाए कि आपका ब्राइडल मेकअप कैसा रहेगा। आजकल ल्ठऊ मेकअप और एयरब्रश मेकअप ट्रेंड में हैं।

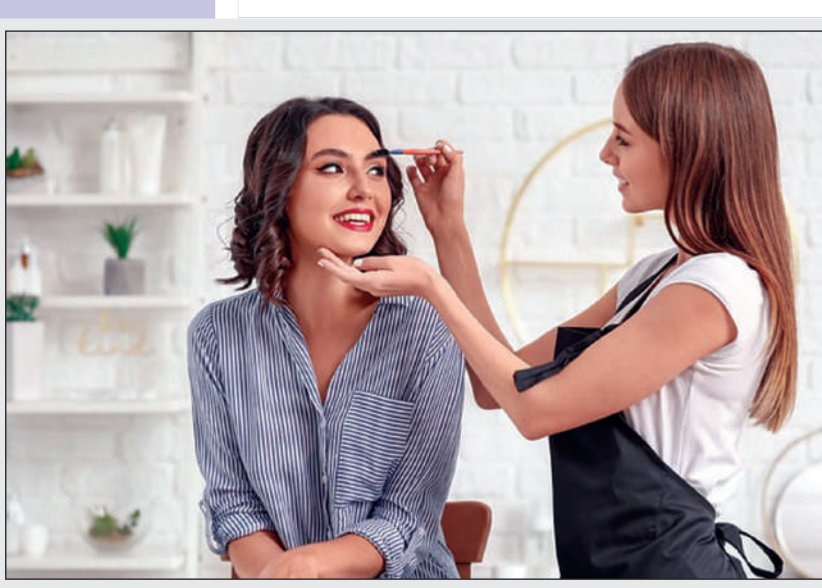

दुर्गा पूजा लुक बंगाली अंदाज में होना है तैयार तो इन बातों का रखें ध्यान

दुर्गा पूजा सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि संस्कृति, फैशन और परंपरा का मेल है। वैसे तो ये मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल में ही मनाई जाती है, लेकिन अब इसकी धूम भारत के कई राज्यों में देखने को मिलती है। ऐसे में अगर आप भी इस बार दुर्गा पूजा में बंगाली लुक अपनाना चाहती हैं, तो ये लेख आपके काम का है। परफेक्ट बंगाली लुक के लिए आपको सिर्फ अपने कपड़े पर ही नहीं, बल्कि हर एक एलिमेंट पर खास ध्यान देना होगा। आपको ध्यान रखना होगा कि साड़ी कैसे पहनें, बालों का स्टाइल क्या हो, ज्वेलरी कौन-सी चुनी जाए और मेकअप कैसा हो। ये सभी चीजें आपके पूरे लुक को परफेक्ट बनाती हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप बंगाली अंदाज में तैयार होकर इस दुर्गा पूजा पर सबका दिल जीत सकती हैं। आप इतनी सुंदर दिखेंगी कि हर कोई आपको देखकर कहेगा, 'खूब सुंदर'

साड़ी हो सही

बंगाली अंदाज में तैयार हो रही हैं तो लाल पार साड़ी ही पहनें। ध्यान रखें कि बंगाली लुक के लिए ये साड़ी सबसे अहम होती है। ये वहां की पारंपरिक साड़ी होती है, जिसे खासतौर पर दुर्गा पूजा के मौके पर पहना जाता है। ये सिल्क या कॉटन फैब्रिक में आती है। इसलिए इसे पहनकर अपना खूबसूरत अंदाज दिखाएं।

मेकअप हो लाइट

इस लुक के साथ अपने बाकि मेकअप को लाइट करके आंखों और होंठों को हाइलाइट करें। इसके लिए आंखों में काजल लगाएं। होंठों पर लाल रंग की लिपस्टिक आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। ये देखने में काफी अच्छा लगता है।

पहनें चूड़ियां

लाल पार साड़ी के साथ लाल रंग की चूड़ियां पहनना ही अच्छा माना जाता है। अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो इसके साथ हरे रंग की चूड़ियों को अपने हाथों में पहनें। आप चाहें तो चूड़ियों का सेट बनाकर भी अपने हाथों में कैरी कर सकती हैं, ये भी देखने में अच्छा लगेगा।

गोल्ड ज्वेलरी अच्छी लगेगी

इस तरह के पारंपरिक लुक के साथ हमेशा गोल्ड ज्वेलरी ही अच्छी लगती है। इसके साथ अगर आप कुछ और पहनेंगी तो हो सकता है कि आपका लुक बिगड़ जाए। इसलिए इसके साथ गोल्ड ज्वेलरी ही पहनें। यदि गोल्ड नहीं है तो आप गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी भी कैरी कर सकती हैं।

हेयरस्टाइल

दुर्गा पूजा के दौरान अगर आप बालों को खुला रखेंगी तो आपका लुक अच्छा लगेगा। खुले बालों में आप साइड में ब्रेड भी बना सकती हैं। अगर खुले बाल रखने में दिक्कत होती है तो स्लीक बन या लो बन बनाकर उसमें गजरा लगाएं।

हरियाणा सरकार
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा...75 वर्ष
दीनदयाल लाडो
लक्ष्मी एप फोन में डालो
₹2100
अब हर महीने पा लो
नॉन-स्टॉप हरियाणा
महिलाओं से किया वादा, किया पूरा
1 नवम्बर, 2025 से शुरू होगा
सीधे आपके बैंक खाते में भुगतान
एप प्ले स्टोर पर भी उपलब्ध
दीनदयाल
लाडो
लक्ष्मी
योजना
सम्मान भी, सुरक्षा भी
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana